RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, शुक्रवार ●09 अगस्त , 2024 वर्षः-12 अंक-103 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर जीता ब्रॉन्ज

भारत को चौथा मेडल,हरमनप्रीत ने दागे दोनों गोल

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय हॉकी टीम ने ब्रॉन्ज मेडल के मैच में स्पेन को 2-1 से हराकर इतिहास रच दिया। भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। तोक्यो ओलंपिक में भी भारतीय टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीता है। भारत के लिए इस मैच में कप्तान हरमनप्रीत ने दो गोल दागे। इसके बाद भारतीय रक्षापंक्ति ने दमदार खेल दिखाते हुए स्पेन को एक भी मौका नहीं दिया की वह बराबरी कर सके। इस तरह पेरिस ओलंपिक में भारत के खाते में चौथा मेडल आया है। इससे पहले तीन मेडल निशानेबाजी में आए थे।

भारत और स्पेन के बीच पहला क्वार्टर गोल रहित बराबरी पर रहा था। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में स्पेन ने गोल कर बढ़त हासिल कर ली थी। हालांकि, दूसरा क्वार्टर खत्म होने से कुछ समय पहले ही हरमनप्रीत सिंह गोल कर भारत को बराबरी दिलाई। दोनों टीमों के बीच हॉफ टाइम तक मुकाबला 2-2 की बराबरी पर चल रहा था। इसके बाद तीसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत सिंह ने भारत को बढ़त दिलाई।

चौथे क्वार्टर में दोनों टीमों ने गोल करने की काफी कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। हरमनप्रीत ने जहां भारत को बढ़त दिलाई, वहीं श्रीजेश ने गोल पोस्ट पर शानदार बचाव कर स्पेन को बराबरी करने से रोके रखा। 1968 और 1972 के बाद यह पहली बार है जब भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने लगातार दो ओलंपिक में पदक अपने नाम किया है। इस शानदार प्रदर्शन के बाद पीआर श्रीजेश ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कह दिया है।

वक्फ बिल का समर्थन कीजिए करोड़ों लोगों की मिलेगी दुआ

किरेन रिजिजू की विपक्ष से अपील,ओवैसी बोले-केंद्र सरकार मुसलमानों की दुश्मन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पेश कर दिया। सदन में चर्चा के दौरान रिजिजू ने दावा किया कि इस बिल के जरिए किसी भी धार्मिक बॉडी की स्वतंत्रता में कोई भी हस्तक्षेप नहीं किया गया है और न ही कोई संविधान का उल्लंघन हो रहा है। इस नए बिल में हक छीनने की बात तो छोड़ दीजिए, बल्कि जिनको हक नहीं मिला है, उनको यह बिल हक दिलाता है। मुस्लिमों की महिलाओं, बच्चों और पिछड़ों को जगह देने के लिए सरकार वक्फ बिल लेकर आई है। उन्होंने कांग्रेस समेत विपक्ष से अपील की कि वे बिल का समर्थन करें, इससे उन्हें करोड़ों लोगों की दुआ मिलेगी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, यह अमेंडमेंट (वक्फ संशोधन बिल) सरकार सदन में ला रही है। आपने जो चाहा, वह नहीं कर सके, इसलिए सरकार अमेंडमेंट लेकर आ रही है। इस बिल का समर्थन कीजिए, करोड़ों लोगों की दुआ मिलेगी। चंद लोगों ने पूरे वक्फ बोर्ड पर कब्जा करके रखा है।

विपक्ष ने बिल को बताया संविधान पर हमला

बता दें कि विपक्षी दलों ने वक्फ संशोधन विधेयक को लोकसभा में पेश किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान और संघवाद पर हमला है तथा अल्पसंख्यकों के खिलाफ है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सदन में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को पेश करने की अनुमति मांगी जिसके बाद विपक्षी सदस्य हंगामा करने लगे। कांग्रेस सांसद के सी वेणुगोपाल ने कहा कि यह बिल संविधान पर हमला है। उन्होंने सवाल किया, उच्चतम न्यायालय के आदेश से अयोध्या में मंदिर बोर्ड का गठन किया गया। क्या कोई गैर हिंदू इसका सदस्य हो सकता है। फिर वक्फ परिषद में गैर मुस्लिम सदस्य की बात क्यों की जा रही है। वेणुगोपाल ने दावा किया कि यह विधेयक आस्था और धर्म के अधिकार पर हमला है। उन्होंने कहा, अभी आप मुस्लिम पर हमला कर रहे हैं, फिर ईसाई पर करेंगे, उसके बाद जैन पर करेंगे। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल राव ने कहा- सरकार कम्युनिटीज के बीच में विवाद पैदा करना चाहती है। सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, इस बिल को लाकर आप (केंद्र सरकार) देश को जोड़ने का नहीं बल्कि बांटने का काम कर रहे हैं। यह विधेयक इस बात का सबूत है कि आप मुसलमानों के दुश्मन हैं।

दिल्ली पुलिस ने सड़कों पर लगाए आतंकियों के पोस्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 78वें स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के चलते राजधानी दिल्ली में पुलिस समेत अन्य सुरक्षाबल अलर्ट पर हैं। गुरुवार (8 अगस्त) को दिल्ली पुलिस के जवानों ने खान मार्केट के पास अलकायदा और खालिस्तान से जुड़े आतंकियों के पोस्टर लगाए

हैं। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त को दिल्ली स्थित लाल किले से प्रधानमंत्री देश के नाम संबोधन देंगे। यह स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित होने वाला देश का सबसे बड़ा कार्यक्रम माना जाता है। ऐसे में सुरक्षाबल राजधानी के चप्पे-चप्पे पर कड़ी निगरानी रख रही है। सुरक्षा में जुटी पुलिस ने कहा है कि स्वतंत्रता दिवस के चलते सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे हैं।

हर दिन सात घंटे ड्यूटी और संडे को ऑफ...

एमपी कांग्रेस के ऑफिस में अब टाइम से होगा काम, बीजेपी ने लपेटा तो बोर्ड टूटा

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस में अब कॉरपोरेट कल्चर आ गया है। पीसीसी के ऑफिस में अब समय से काम होगा। भोपाल स्थित कांग्रेस दफ्तर के बाहर टाइमिंग का बोर्ड लगा हुआ है। इस बोर्ड पर काम करने का समय लिखा हुआ है। बोर्ड के अनुसार कांग्रेस दफ्तर में सुबह 11 बजे से शाम को छह बजे तक काम होगा। इसके बाद छुट्टी हो जाएगी। साथ ही रविवार को भी अवकाश रहेगा। बोर्ड के वीडियो सामने आते ही बीजेपी ने कांग्रेस को लपेट लिया है। इसके बाद कांग्रेस के ही नेता ने बोर्ड को तोड़कर फेंक दिया है। दरअसल, बोर्ड की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होते ही कांग्रेस नेता अमित शर्मा दफ्तर पहुंचे और बोर्ड हटवा दिया। हालांकि, बीजेपी ने इस मुद्दे पर कांग्रेस को निशाने पर ले लिया। बीजेपी प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने लिखा कि कॉरपोरेट कल्चर से चलेगी अब मध्य प्रदेश कांग्रेस। पार्टी ऑफिस के बाहर लगाए गए बोर्ड पर लिखा है कि सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक काम

होगा। रविवार को अवकाश रहेगा। नरेंद्र सलूजा ने लिखा कि रविवार को कांग्रेसजन छुट्टी पर रहकर मस्त रहेंगे। क्या करें, मौसम का असर जो है। वहीं, इस बोर्ड को लेकर लोगों में गुस्सा भी देखने को मिला। कुछ लोगों ने बोर्ड तोड़ दिया। लोगों ने इस कदम को अजीब बताया। लोगों का कहना है कि ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी राजनीतिक दल ने अपने दफ्तर के लिए इस तरह का समय निर्धारित किया है। इस घटना से साफ है कि राजनीतिक दल भी अब कॉर्पोरेट कल्चर को अपना रहे हैं। हालांकि, आम जनता को अब भी उम्मीद है कि राजनीतिक दल उनके लिए हर समय उपलब्ध रहेंगे, न कि किसी निश्चित समय के लिए। हालांकि कांग्रेस की तरफ से वीडियो पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बीजेपी का तंज- कॉर्पोरेट कल्चर पर चलेगी कांग्रेस

कांग्रेस ऑफिस की टाइमिंग फिक्स वाले बोर्ड लगने पर बीजेपी प्रवक्ता नरेन्द्र सलूजा ने कहा- पार्ट टाइम अध्यक्ष की , पार्ट टाइम कांग्रेस.... शायद कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ठीक ही कहते है कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस के नेताओ की सत्ता की खुमारी अभी तक नहीं उतरी है , वो खुद को अभी भी सत्ता में ही समझ रहे हैं। जीतू पटवारी के अध्यक्ष बनने के बाद हजारों कांग्रेसजन कांग्रेस छोड़ चुके है , थोड़े से कांग्रेसजन ही बचे हैं। अब उनसे मिलने के लिये भी मध्यप्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक का समय निर्धारित... रविवार को पूर्ण अवकाश... कॉर्पोरेट कल्चर पर अब चलेगी जीतू पटवारी की कांग्रेस। शाम 6 बजे बाद और रविवार को अब सरूर और मस्ती में दिखेंगे कांग्रेसजन।

संक्षिप्त समाचार

हरदा ब्लास्ट में मुआवजे के लिए लेबर कोर्ट पहुंची सरकार

भोपाल। हरदा पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट मामले में श्रम विभाग ने लेबर कोर्ट में मुआवजे के लिए मुकदमा दायर किया है। श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने बताया कि हरदा ब्लास्ट मामले की रिपोर्ट का आंकड़ा आ गया है। बैठक में 136-

142 के आसपास प्रभावित लोगों का आंकड़ा सामने आया है। बता दें कि 6 फरवरी को हरदा की पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ था। 13 लोगों की मौत हो गई थी। 100 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। हादसे में करीब 50 घरों को नुकसान हुआ था। जितने नाम हमें श्रमिकों के मिले हैं, उनके लिए मुकदमा लगाया है।

विनेश फोगाट को 4 करोड़-सरकारी नौकरी देगी हरियाणा सरकार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पेरिस ओलिंपिक 2024 में 50 किलोग्राम फ्री स्टाइल कुश्ती वर्ग से बाहर होने के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने उनके लिए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि हमारी हरियाणा की बहादुर बेटी विनेश फोगाट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओलिंपिक के फाइनल में प्रवेश किया है। किसी भी कारण से

वह ओलिंपिक का फाइनल नहीं खेल पाई हो, लेकिन वह हम सभी के लिए चैंपियन है। हमारी सरकार ने फैसला किया है कि विनेश फोगाट का पदक विजेता की तरह स्वागत और सम्मान किया जाएगा। सीएम ने कहा कि हरियाणा सरकार ओलिंपिक रजत पदक विजेता को जो सम्मान, इनाम और सुविधाएं देती है वे सभी विनेश फोगाट को भी दी जाएंगी।

वायनाड लैंडस्लाइड हादसे में 138 लोग अब भी लापता

वायनाड (एजेंसी)। केरल के वायनाड में 29 जुलाई की देर रात हुए लैंडस्लाइड में अब भी 138 लोग अब भी लापता हैं। गुरुवार (8 अगस्त) को लगातार 10वें दिन रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हादसे में अब तक 413 लोगों की मौत हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार (10

अगस्त) को पीड़ितों से मिलने वायनाड जाएंगे। प्रधानमंत्री की स्पेशल फ्लाइट कन्नूर में उतरेगी। कन्नूर से पीएम हेलीकॉप्टर से लैंडस्लाइड प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। इसके बाद वह रिलीफ कैंप्स में पीड़ितों से मिलेंगे, जहां 10 हजार से ज्यादा लोग शरण लिए हुए हैं। मोदी के दौरे को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

रेसलर अंतिम पंघल पर ऐक्शन, पेरिस छोड़ने का आदेश

अपने कार्ड पर बहन को ओलंपिक खेल गांव में घुसाया,पकड़े जाने पर खुलासा

पानीपत (एजेंसी)। पेरिस ओलिंपिक में हरियाणा की पहलवान अंतिम पंघल और उनकी बहन विवादों में फंस गईं। दोनों को पुलिस स्टेशन ले जाया गया और यहां बयान दर्ज किए गए। इसके बाद दोनों को ही तुरंत पेरिस छोड़ने का आदेश दिया गया।

दरअसल, अंतिम महिलाओं की 53 किग्रा कैटेगरी में अपना पहला मुकाबला हारने के बाद पेरिस ओलिंपिक से बाहर हो गईं और होटल चली गईं। जहां उनके कोच विकास और भगत सिंह भी ठहरे हुए थे। अंतिम ने बहन को अपना आई कार्ड देकर खेल गांव जाकर अपना सामान लाने के

लिए कहा। उनकी बहन खेल गांव में घुसने में कामयाब हो गईं, लेकिन उन्हें बाहर निकलते समय सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ लिया। उन्हें अपना बयान दर्ज कराने के लिए स्थानीय पुलिस स्टेशन ले जाया गया। 19 साल की जूनियर वर्ल्ड चैंपियन अंतिम को भी पुलिस ने अपना बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया।

इतना ही नहीं अंतिम के पर्सनल सपोर्ट स्टाफ विकास और भगत कथित तौर पर नशे की हालत में कैब में यात्रा कर रहे थे और उन्होंने किराया देने से इनकार कर दिया। जिसके बाद ड्राइवर ने पुलिस को बुला लिया।

असम में बाल विवाह रोकने के लिए आ गई नई योजना

● हर महीने छात्राओं को मिलेंगे 1000 से 2500 रुपए

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में बाल विवाह को रोकने की दिशा में बीजेपी सरकार ने गुरुवार को एक योजना शुरू की है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने योजना का शुभारंभ किया है। मुख्यमंत्री निजीत मोइना असोनी योजना के तहत ग्यारहवीं से लेकर स्नातकोत्तर तक की छात्राओं के बैंक अकाउंट में हर महीने 1000 से 2500 रुपए भेजे जाएंगे। योजना में लगभग 10 लाख छात्राओं को शामिल किया जाएगा और पहले साल में इस पर 300 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे। वहीं पांच साल की अवधि में लगभग 1500 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे। योजना के तहत 10वीं कक्षा पास करने वाली और 11वीं कक्षा में दाखिला लेने वाली छात्राओं को 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा पूरी करने तक दो साल तक 1000 रुपये प्रति माह मिलेंगे। सरमा ने कहा कि यह राशि हर महीने की 11 तारीख को उनके बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी जाएगी।

प्रदेश में किए गए निवेश का मिलेगा बेहतर रिटर्नः सीएम

सीएम ने कहा-प्रदेश में सभी सेक्टरों में समान रूप से हो रही है प्रगति

मध्यप्रदेश कर रहा है उद्योग व निवेश के लिए उद्योगपतियों को आमंत्रित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अपनी उद्यमशीलता, परिश्रम, व्यवस्थित कार्य पद्धति और मानव मूल्यों को समाहित करते हुए सबको साथ लेकर चलने की क्षमता के परिणाम स्वरुप ही, भारत विश्व में सदियों से सोने की चिड़िया के रूप में विख्यात रहा है। विश्व में हमारी यह पहचान भारत की उद्यमशीलता, बौद्धिकता, कल्पनाशीलता और व्यावसायिक निपुणता की परिचायक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उपलब्ध संसाधनों और बौद्धिक क्षमता के बल पर देश को विश्व की पहली 5 अर्थ व्यवस्थाओं में स्थान दिलाया है, यह प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और विजन का परिणाम है। इस उपलब्धि में उद्योगपतियों का भी विशेष योगदान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बेंगलुरु में आयोजित इन्वेस्ट मध्यप्रदेश-इन्टरेक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अर्पोच्यूनिटीज इन मध्यप्रदेश के संवाद-सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैंगलुरु में इन्वेस्ट मध्यप्रदेश के दूसरे दिन इन्टरैक्टिव सेशन का दीप प्रज्जवल और तुलसी के पौधे में जल अर्पित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मणिपाल समूह के अध्यक्ष मोहनदास पाई, ग्रीनको ग्रुप के अध्यक्ष अनिल

चलमाशेट्टी, लैप इंडिया के मुख्य परिचालन एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी डॉ. शिववेंकट रमानी साथ थे। मध्य प्रदेश सीआईआई के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध संचालक इन्फ़ोबींस लिमिटेड सिद्धार्थ सेठी भी सीएम से मिले।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति पथ पर है अग्रसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बदलते परिदृश्य में देश के सम्मुख अनुकूल अवसर होने के साथ चुनौतियां भी विद्यमान हैं। अपनी क्षमताओं के आधार पर यह विश्वास है कि हमारा भविष्य उज्ज्वल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार बनी केन्द्र सरकार के मार्गदर्शन में देश प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर है। उचित मार्गदर्शन, अद्यतन तकनीक के उपयोग, आगे बढ़ने की इच्छा शक्ति, लगन और परिश्रम के साथ नवीन अनुसंधान की परंपरा के बल पर भारत औद्योगिक केंद्र के रूप में विश्व में अपना स्थान बना रहा है। देश में आरंभ नवीन स्टार्ट-अप भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में पुरुषार्थ और पराक्रम की परंपरा रही है। शासन व्यवस्था द्वारा सभी को प्रोत्साहन और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की परंपरा के निर्वहन के प्रतीक स्वरूप ही विक्रम संवत की शुरुआत हुई। भारतीय परंपरा में शासन का स्वरूप सहायता प्रदान करने का रहा है, जो जिस क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहता है उसे मदद उपलब्ध कराने से ही उद्यमशीलता आरंभ होती है ।

हाथ में तिरंगा, जुबां पर भारत माता के नारे, रैली में वंदे मातरम से गूंज उठा गांव

- युवा टीम ने हर घर तिरंगा अभियान का किया आगाज

उमरिया 7 आजादी का अमृत महोत्सव जिला कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन व पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया के मार्गदर्शन पर युवा टीम संयोजक हिमांशु तिवारी के नेतृत्व में तिरंगा रैली का आयोजन मालियागुड़ा में किया गया।

रैली का शुभारंभ शा.विद्यालय मालियागुड़ा किया गया तिरंगा रैली गांव के स्थानों से गुजरते हुए विद्यालय में राष्ट्रगान गाकर रैली का समापन किया गया। इस रैली में युवा टीम उमरिया व विद्यालय शिक्षक व विद्यार्थियों की अहम भूमिका रही।

टीम लीडर हिमांशु तिवारी ने कहा कि तिरंगा रैली निकालने का उद्देश है जो आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 13 से 15 राष्टीय स्तर पर घर-घर तिरंगा फहराने के लिए सभी को प्रेरित किया जा रहा है उसी के तत्वधान में गाँव के विभिन्न स्थानों से गुजरते हुए सभी ग्रामीण वासियों से अपील की गई कि आप सभी लोग अपने अपने घरों में सम्मान पूर्वक राष्टीय ध्वज को फहराने का कार्य करे।रैली में शामिल विद्यार्थियों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम का नारा लगाया। रैली में सभी युवाओ व विद्यार्थियों के हाथों में तिरंगा झंडा फहर रहा था। उन्होंने बताया कि बाइक रैली के माध्यम से आमजनों को 13 से 15 अगस्त हर घर तिरंगा झंडा फहराने का संदेश दिया गया। घर तिरंगा झंडा फहराकर जश्न में डूबने की अपील आम जनों से की। तिरंगा यात्रा पूरे गाँव में भ्रमण कर जन-जन तक देशभक्ति की भावना जगाने का कार्य किया। जिसका उद्देश्य है- घर-घर तिरंगा, हर घर तिरंगा। इस अवसर पर विद्यालय प्रधान अध्यापक सारिका नामदेव, वर्षा निगम, सोनिक, मनीषा ठाकुर, फूल सिंह, हिमांशू तिवारी, खुशी सेन, शिखा बर्मन, राहुल सिंह, विद्यालय विद्यार्थी छोटेदास पनिका, राम विशाल झा, संतोषी कोल, मनीषा पेंड्रम, हिमानी बर्मन, शिवम गोंड, हर्ष वंशिका, ओमकार जोशी, मोहित सिंह सैकड़ों की संख्या में युवा ,विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शहडोल में अवैध मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिकों को किया गया सील

शहडोल । कलेक्टर तरूण भटनागर के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों, पैथालॉजी, अस्पतालों एवं झोलाछाप चिकित्सों के विरुद्ध सतत कार्यवाही की जा रही है।

इसी तारतम्य में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. शुक्ल एवं डॉ. एस.डी. कवर तथा मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी बुढ़ार डॉ. आर. के. वर्मा एवं रुजोपचार टीम द्वारा अशोक मेडिकल स्टोर, शारदा मेडिकल स्टोर, एवं पाल मेडिकल स्टोर बकहो तथा पाण्डेय मेडिकल स्टोर जरवाही का निरीक्षण किया गया। जिसमें पाया गया कि मेडिकल स्टोर में क्लीनिक बनाकर मरीजों का उपचार भी किया जा रहा था। रुजोपचार टीम के द्वारा उक्त क्लीनिक एवं मेडिकल स्टोर को सील किया गया तथा नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

इसी प्रकार श्यामा डेन्टल क्लीनिक एवं फिजियोथैरेपी सेंटर बुढ़ार चौक तथा डॉ. वैभव दीक्षित डेंटल क्लीनिक गायत्री मंदिर शहडोल का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि उक्त क्लीनिक बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित की जा रही थी। रुजोपचार टीम के द्वारा उक्त क्लीनिक एवं मेडिकल स्टोर को सील किया गया तथा नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि जिले में अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों, पैथालॉजी, अस्पतालों एवं झोलाछाप चिकित्सों के विरूद्ध सतत कार्यवाही जारी रहेगी।

हिन्दुओं को बांटने की राजनीति नहीं रुकी तो 22वीं सदी में बांग्लादेश से भी खतरनाक स्थिति भारत में - चिन्मय पांडे

अनुपपुर। केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोध छात्र, अभाविप विश्वविद्यालय खंड के पूर्व अध्यक्ष तथा स्वदेशी जागरण मंच, स्वावलंबी भारत अभियान के शहडोल जिला युवा आयाम प्रमुख चिन्मय पांडे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा मुख्यमंत्री मोहन यादव मुख्यमंत्री को केन्द्रीय विवि के माध्यम से बांग्लादेश में हिंदू परिवारों के दयनीय स्थिति, हिन्दुओं के साथ लूटपाट, हत्या, आगजनी, घोर अत्याचार, भगवान जगन्नाथ-माता काली इस्कॉन मंदिर समेत अनेक हिंदू मंदिरों तोड़ने तथा हिंदू मंदिरों में लगातार तोड़फोड़ जारी हिंसा के मामले में संयुक्त राष्ट्र समेत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहल कर हस्तक्षेप करने तथा विदेशी ताकतों के इशारे पर हिंदुओं को जाति और वर्गों में बाँटकर हिंदू को कमजोर करने वालों के खिलाफ कानून बनाने के लिए ज्ञापन सौपा। चिन्मय पांडे ने बताया कि भारत के कई पड़ोसी देशों में हिंसा, राजनीतिक अस्थिरता फैलने तथा इन देशों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति बहुत दयनीय हो जाने से स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसे मुलभुत सेवाओं पर असर पड़ रहा हैं, इसके पीछे विदेशी ताकतों का हाथ है जो इन देशों की आर्थिक-सामाजिक और राजनीति को अस्थिर कर दिए हैं। यही साजिश भारत में करने की चाल विदेशी चल रहे है। हिन्दुओं को हिंसक बताने तथा हिंदुओं को जाति में बांटने की साजिश लगातार रच रहे हैं, हिंदुओं को विभाजित करने वाली साजिश के खिलाफ एक कानून की बहुत आवश्यकता है जो भारत के हिंदुओं को बांटने की राजनीति करने वालों की लगाम लगा सके।

शादीशुदा पटवारी ने युवती को शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

- पीड़िता की शिकायत पर पटवारी के खिलाफ मामला दर्ज, पुलिस तलाश में जुटी

● राज खुल जाने के बाद शादी से किया इंकार, आरोपी पटवारी ने कई बार युवती का कई बार कराया गर्भपात

शहडोल । शहडोल जिले में महिलाओं से दुराचार के मामले लगातार सामने आ रहे है। ताजा मामला जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहां एक शादी शुदा पटवारी पहले युवती को अपने प्यार के जाल फंसाकर शादी का प्रलोभन देकर युवती के साथ लगातार दुराचार करता रहा, इतना ही नहीं इस दौरान युवती के गर्भ ठहरने पर वह उसका गर्भपात करा फिर शादी से इंकार कर दिया ,जिससे आहत युवती ने मामले की सोहागपुर पुलिस से शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता की शिकायत शहडोल पुलिस आरोपी पटवारी के खिलाफ दुराचार का मामला दर्ज कर सरगर्मी से उसकी तलाश जुट गई है।

जिले के जयसिंहनगर क्षेत्र की रहने वाली एक गरीब असहाय युवती को अमरहा में पदस्थ पटवारी अभिमन्यु बैगा ने पहले अपने पद का रुतबा दिखाकर पहले प्रेम जाल में फंसाया फिर शादी की झांसा देकर उसके साथ की बार दुराचार किया, इस दौरान युवती के गर्भ ठहरने पर वह उसका गर्भपात कराया, जब युवती को शंका हुई तो वह शादी का दबाव बनाने लगी,खुद को फंसता देख अभिमन्यु ने युवती से अपना राज खोलते हुए बताया कि वह पहले से ही शादी शुदा है। जिससे वह उससे शादी नहीं कर सकता ,इस बात से आहत युवती ने मामले की सोहागपुर पुलिस से शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता की शिकायत सोहागपुर पुलिस आरोपी पटवारी के खिलाफ 376 की अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है , फरार पटवारी की शहडोल पुलिस सरगर्मी से उसकी तलाश जुट गई है।

वही इस पूरे मामले में शहडोल एएसपी अभिषेक दिवान का कहना है कि युवती ने सोहागपुर थाने में इस आशय की एक शिकायत की थी ,कि अभिमन्यु बैगा नामक यूवक उसको शादी का झांसा देकर दुराचार किया और अब शादी से इंकार कर रहा है। यह बाद भी सामने आई है कि वह शादीशुदा था, और उसने कई बार गर्भपात भी कराया है। पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

झूलेलाल चालीसा महा महोत्सव पर अनेक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

- समाज के सभी वर्ग के लोगों ने बढ़ चढ़कर लिया भाग

दमोह 7 श्री झूलेलाल चालीसा महा महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री झूलेलाल मंदिर समिति एवं श्री झूलेलाल मंदिर महिला समिति द्वारा आयोजित सामूहिक (आश के बेहराडे) बेहराडा साहब जीं के प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमें समाज के सभी वर्ग के लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। जिसमें मंगलवार 6 अगस्त चंद्र के दिन महिलाओं के द्वारा 131 दीप जलाकर भगवान श्री झूलेलाल जी का आहवान किया गया। पूज्य पंडित महेश शर्मा द्वारा पूजन एवं पल्लव होने के बाद सभी 131 दीप पुराना तालाब में विसर्जित किए गए समाज के अध्यक्ष अनिल कुमार कोटवानी झूलेलाल मंदिर के अध्यक्ष हरगोविंद लालवानी राजकुमार केवलानी , डॉक्टर विनोद कुकरेजा, मदन लालवानी, विनोद अमूलान, मनीष आहूजा निशू नाथानी का इसमें विशेष सहयोग रहा। दीप विसर्जन के बाद सभी महिलाओं एवं बहनों को पुरस्कार स्वरूप भेंट दिए गए और सभी के लिए भंडारे का भी आयोजन किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में सिंधु सेवा ग्रुप के सभी युवाओं ने भी बहुत सहयोग किया उनके सहयोग से ही यह शोभा यात्रा पूर्ण हुई।

बच्ची से बलात्कार करने वाले दोषी को अंतिम सांस तक भोगना पड़ेगा कारावास

कटनी दैमप्र। थाना कैमोर के में विशेष सत्र प्रकरण एससी में विशेष न्यायालय पॉक्सो एक्ट की अदालत ने अबोध बालिका के साथ बलात्कार करने वाले दोषी को कठोर सजा सुनाई है। दोषी अब अंतिम सांस तक जेल में रहेगा। आरोपी को धारा 5(एम) एवं 5(एन) सहपठित धारा 6 पॉक्सो एक्ट में शेष प्राकृतिक जीवनकाल के लिये आजीवन कारावास एवं 2000-2000 रुपए के अर्थदण्ड एवं धारा 366 में 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं एक हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। उक्त प्रकरण में सशक्त पैरवी रामनरेश गिरी अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी/विशेष लोक अभियोजक एवं आशुतोष द्विवेदी सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी द्वारा की गई।

मीडिया सेल प्रभारी सुरेन्द्र कुमार गर्ग ने बताया कि 8 वर्ष की बच्ची ने पिता के साथ थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि बड़े भाई का साला आरोपी 13 जनवरी के शाम 7 बजे मेरे घर आया था। रात में आरोपी ने बच्ची को टाफी, नमकीन लेने साथ में वहीं मोहल्ले की दुकान तरफ लेकर गया था, जो वापस घर लेकर नहीं आया। लड़की को आरोपी ही कहीं ले गया। कैमोर थाने में अपहरण का मामला दर्ज हुआ। बच्ची के दस्तयाब होने पर पूछताछ में बताया कि आरोपी जंगल में ले जाकर गलत काम किया है। उसने मां को घटना के बारे में जानकारी दी, जिसके आधार पर मामले में धारा 376, 376एबी भादंवि 3/4, 5एम, 6 पॉक्सो एक्ट बढ़ाई गई। विवेचना उपरांत अभियोग पत्र तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय द्वारा आरोपी को उक्त अपराध के लिये दोषी पाते हुए सजा सुनाई है।

मामूली विवाद में मारपीट के मामले में सजा

सीजेएम कोर्ट ने आरोपी को 1 साल जेल भेजा, 1 हजार रुपए के जुर्माना भी लगाया

बैतूल। मारपीट के तीन साल पुराने मामले में सीजेएम कोर्ट ने आरोपी को 6 माह के कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है। सड़क पर बाइक खड़े करने जैसे मामूली विवाद में मारपीट का यह मामला दर्ज किया गया था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बैतूल ने मारपीट करने वाले आरोपी नाथूराम पिता गोंदूजी गावण्डे, (52) निवासी-बैतूल को धारा 325 द्वब्ष्ट के अपराध में दोषी पाते हुए 6 के कारावास और 1 हजार रुपए के जुर्माने से दण्डित किया। मामले में सहायक जिला अभियोजन अधिकारी अभय सिंह ठाकुर ने पैरवी की थी।

यह हुआ था विवाद- पीड़ित सत्यभामा ने थाना गंज बैतूल में 25 मार्च 2021 को शिकायत की थी कि रात की रात 10 बजे आरोपी नाथूराम रोड पर गाड़ी खड़ी करने की बात पर गालियां दे रहा था। जब उसे गाली देने से मना किया तो उसने मारपीट शुरू कर दी। सड़क पर घसीटा और पिटाई की गई। इसकी उसने एफआईआर दर्ज करवाई थी।

मिट्टी में कौन-कौन से तत्वों की कमी है, उसके बारे में किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में बताने का काम किया जायेगा-राज्यमंत्री लोधी

संपूर्णता अभियान के तहत कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड किये वितरित

दमोह। नीति आयोग द्वारा जिला एवं आकांक्षी विकास खंड जबेरा अंतर्गत ग्राम नोहटा में कृषि विभाग संपूर्णता अभियान के तहत प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए,

राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा किसान समृद्ध हो, आधुनिक रूप से खेती करे, किसान को मालूम होना चाहिये कि अपने खेत में कौन सी फसल बोएंगे तो और अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। इसके लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने पहल शुरू की है, कृषि विभाग किसान के खेत की मिट्टी लेकर उस मिट्टी का परीक्षण करेंगे और उस मिट्टी में कौन-कौन से तत्व हैं उसके बारे में भी बताएंगे और उस मिट्टी में कौन-कौन से तत्वों की कमी है, उसके बारे में भी किसानो को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में बताने का काम किया जाएगा।

राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा किसानों के खेत की मिट्टी में जो तत्व है, उसके आधार पर किसानों को यह बताने का प्रयास किया जाएगा कि आप कौन सी फसल अपने खेत में बोयेंगे तो अच्छी पैदावार होगी और जिन तत्वों की कमी है, उन तत्वों के बारे में चिंतन करके बताया जायेगा कि जब फसल बोते हैं, तो वह तत्व फसल में डालेंगे तो अच्छी पैदावार होगी। उन्होंने कहा पीएच वैल्यू 6.92 है, यह 5.5 से 8.5 के बीच में होना चाहिए, मतलब पीएच वैल्यू आपके खेत में सही है। सल्फर 19 है जो की 10 से ज्यादा होना चाहिए, सल्फर भी ठीक है। आयरन की मात्रा 4.86 पीपीएम है जबकि 4.5 से ज्यादा होनी चाहिए तो यह भी ठीक है। उन्होंने कहा आप सभी किसान भाई सुखी हो, समृद्ध हो, आप सभी उन्नति करें यही प्रार्थना करते हैं।

कार्यक्रम में उप संचालक कृषि जितेन्द्र सिंह राजपूत, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी जबेरा एम.एल. अहिरवार एवं विकासखंड के समस्त कृषि विस्तार अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में किसानों की सहभागिता रही।

पार्टी की पंचनिष्ठा में राष्ट्रवाद सर्वोपरि : प्रीतम सिंह

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर जिले की बैठक संपन्न

दमोह। तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष एड प्रीतम सिंह के मुख्य आतिथ्य में बैठक आयोजित की गई जिसमें हटा विधायक उमादेवी खटीक, युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष राम पटेल, जिला महामंत्री गोपाल पटेल, सतीश तिवारी, जिला उपाध्यक्ष संजय सेन, युवा मोर्चा अध्यक्ष प्रिंस जैन मंचासीन रहें। भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसा दल है जो राजनीति से ऊपर उठकर समाज को जोड़ने का काम करता है। पार्टी की विचार धारा में राष्ट्वाद सर्वोपरि है। हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा जिला जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने उक्त बातें कही, युवा मोर्चा द्वारा आयोजित की जा रही तिरंगा यात्रा को हर विधान सभा में वाहन रैली की स्थिति और रूट का निर्धारण दिशानिर्देश के अनुसार करना है और सभी कार्यकर्त्ता वीडियो और सेल्फी को भी सोशल मिडिया में शेयर करें जिससे आम जनता के बीच एक अच्छा संदेश जाए। इस अभियान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम के सह प्रभारी जिला उपाध्यक्ष संजय सेन ने कहा कि अभियान के तीन महत्वपूर्ण बिन्दु है तिरंगा यात्रा, हर घर तिरंगा एवं महापुरुषो का सम्मान प्रमुख हैं। भाजपा नेतृत्व पिछले कई वर्षो से तिरंगा अभियान चला रहा है। इस अभियान मे सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि तिरंगा की पवित्रा बनी रही। हटा विधायक उमा देवी खटीक ने राष्टीय पर्व के साथ स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल लोगों को याद करते हुए उनको याद करना है। युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष राम पटेल ने कहा कि असंख बलिदानो के बाद हमें तिरंगा मिला है और वीरो के बलिदान को भूलना नहीं है।

हर घर तिरंगा अभियान को जनसामान्य से कैसे जोड़े इस पर विचार करने का आव्हान करते हुए द्य ऐसा वतावरण बनाये की लोग इसे अपना अभियान मने और लोगो मे राष्टवाद का भाव पैदा हो। हर घर तिरंगा अभियान मे और युवा मोर्चा की अहम भूमिका को भी रेखांकित करते हूए उन्होने कहा कि हमेशा ही सभी अभियानो में अब्बल रहा। बैठक का संचालन तिरंगा यात्रा के प्रभारी रामेश्वर चौधरी ने किया और आभार प्रिंस जैन ने किया। इस बैठक में जिला उपाध्यक्ष रूपेश सेन, रमन खत्री, चंदभान पटेल, जिला मंत्री वर्षा रैकवार, अर्चना जैन, जिला कोषाध्यक्ष सुरेश पटेल, जिला मीडिया प्रभारी राघवेन्द्र सिंह परिहार, जिला सह मीडिया प्रभारी महेन्द्र जैन, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष गणेश जाटव, पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष भोले सराफ, अल्प संख्यक मोर्चा अध्यक्ष शाहिद रिज़्वी, हर्ष पटेल सहित मंडल अध्यक्ष और सभी अपेक्षित पदाधिकारी और कार्यकर्ताओ की उपस्थिति रही।

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

अगस्त माह में अब तक सिर्फ एक इंच गिरा पानी, कम बारिश से बढ़ रही चिंता

इंदौर। शहर में इस वर्ष कम बारिश की वजह से चिंता बढ़ने लगी है। इस वर्ष अभी तक इंदौर में सिर्फ 15 इंच बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार अगस्त और सितम्बर के महीने से उम्मीद है। इन दोनों ही महीनों के आखिरी दिनों में अच्छी बारिश हो सकती है। अभी पिछली बार की तुलना में करीब सात इंच कम बारिश हुई है। हालांकि अभी भी अगले तीन से चार दिन तक मौसम खुला ही रहेगा और धूप भी रहेगी। कहीं कहीं रिमझिम और मध्यम बारिश होगी। इसके बाद फिर हल्की बारिश के आसार हैं। अगस्त के एक हफ्ते में करीब एक इंच ही बारिश हुई है। अगस्त का कोटा 10 इंच का है। पिछले साल अगस्त में ढाई इंच बारिश हुई थी। एग्रीकल्चर कॉलेज के सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. एचएल खपेडिया ने बताया कि इस बार बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से मानसून आगे बढ़ा लेकिन हवा की गति धीमी रही। इससे दिन और रात के तापमान 2 से 3 डिग्री का अंतर ही रह गया है। मौसम ठंडा हुआ है और जल्दी ही इंदौर में अच्छी बारिश की संभावना है।

शहर में सड़क में बाधक बनी दरगाह भारी पुलिस की मौजूदगी में शिफ्ट

इंदौर। शहर में विभिन्न जगह की सड़कों के चौड़ीकरण के दौरान धर्मस्थल भी बाधक बने हुए है। अब उन्हें भी हटाया जा रहा है या शिफ्ट किया जा रहा है। शहर के पश्चिमी क्षेत्र बियाबानी में गुरुवार सुबह एक दरगाह को शिफ्ट किया। प्रशासन ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में इस काम को अंजाम दिया। दरगाह शिफ्ट करने के लिए पहले सहमति भी बना ली गई थी,लेकिन मौके पर कोई विवाद न हो, इसके लिए पुलिस बल बुला लिया गया था। दरगाह हटाने के लिए सुबह सात बजे रिमूवल गैंग मौके पर पहुंच गई थी। एडीएम की अनुमति मिलने के बाद पहले जेसीबी से दरगाह के ऊपर लगे शेड हटाए गए। इसके बाद कर्मचारियों ने धीरे-धीरे सब्बल की मदद से दरगाह को हटाना शुरू किया। इसके बाद दरगाह को सेवाकुंज अस्पताल के समीप शिफ्ट किया गया।

इंदौर में तालिबानी सजा : युवती से बात करने के शक में युवक के नंगे बदन पर रिश्तेदारों ने चलाई जमकर लाठियां, सात पर केस

इंदौर। शहर में एक महिला से बात करने की आशंका पर महिला के रिश्तेदारों ने एक युवक को तालिबानी सजा दी युवक को छत पर ले जाकर उसकी शर्ट उतरवाई और उस पर जमकर लाठियां चलाई। वह मदद के लिए गिड़गिड़ाता रहा, लेकिन लाठियां बरसाने वाले उस पर तरस नहीं खा रहे थे। पुलिस के पास इस घटना का वीडियो वायरल होकर पहुंचा तो पुलिस ने आरोपियों पर कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में पहले पुलिस ने उस युवक को ढूंढा, जिसके साथ मारपीट की गई। वायरल वीडियो की पड़ताल के बाद पुलिस को पता चला कि यह घटना पीथमपुर के बगदून थाना क्षेत्र की है। सीएसपी अमित मिश्रा ने बताया कि सबसे पहले जिस युवक के साथ मारपीट हुई, उसे पुलिस ने खोजा और पूछताछ की तो पता चला कि वह एक निजी स्कूल में काम करता था। एक महिला भी उसके साथ सहकर्मी थी।। महिला से बात करने की शंका में उसके परिजन ने युवक को धोखे से घर बुलाया और छत पर ले जाकर इस तरह बेरहमी से पीटा। मारपीट के दौरान युवक के शरीर पर हुए घाव साफ देखे जा सकते हैं। बाद में पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया।

सांवेर में नि: शुल्क मेगा हेल्थ कैम्प 10 अगस्त को

इन्दौर। संभागायुक्त दीपक सिंह की पहल पर इंदौर संभाग के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। हेल्थ कैम्प में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को विभिन्न बीमारियों की स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श, अत्याधुनिक मशीनों से जांच एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएगी। यह शिविर सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगा। संभागायुक्त के निर्देशन में संभाग के विभिन्न जिलों में निःशुल्क मेगा हेल्थ कैम्प अभियान के अंतर्गत सफलतापूर्वक आयोजन हो चुके है। इस अभियान के अंतर्गत यह इंदौर जिले के सांवेर के सिविल हॉस्पिटल में शिविर 10 अगस्त को होगा। संभागायुक्त ने मेगा हेल्थ कैम्प के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने संबंधित निर्देश दिये। इस मेगा कैंप में कैंसर, सिकलसेल, टीबी, लेप्रोसी, सिलोकोसिस, दंत, नेत्र सहित अन्य गंभीर बीमारियों से प्रभावितों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा। अत्याधुनिक मशीनों से माध्यम से विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच भी होगी। दवाओं का निःशुल्क वितरण भी किया जायेगा। शिविर में चिन्हांकित विभिन्न बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों के इलाज, ऑपरेशन आदि की आगे की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाए। इस मेगा हेल्थ कैम्प में मरीजों के पंजीयन के लिए ऑनलाइन व्यवस्था भी रहेगी। साथ ही पंजीयन के लिए पर्याप्त स्टॉल भी रहेंगे। बताया गया कि चिह्नित मरीजों का वैज्ञानिक रूप से डाटाबेस तैयार कर उनकी लगातार मॉनिटरिंग और फॉलोअप किया जायेगा। इसके लिए एक विशेष पोर्टल एवं ऐप भी तैयार किया जा रहा है। इसमें मरीज और उनकी बीमारी तथा उसे उपलब्ध उपचार की जानकारी रहेगी। शिविर में अरविंदों मेडिकल कॉलेज, शैल्बी अस्पताल, इंडेक्स मेडिकल कॉलेज सहित अन्य शासकीय-अशासकीय चिकित्सालयों के विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों का परीक्षण कर उपचार करेंगे। संभागायुक्त सिंह ने समस्त चिकित्सा संस्थाओं को इन शिविरों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने तथा शिविर में चिन्हांकित गंभीर बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों के इलाज हेतु आगे आकर सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक जिले में कैम्प आयोजन के पश्चात मरीजों का फालोअप अनिवार्य से किया जाए। कैम्पों में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ दिव्यांगजनों के मेडिकल प्रमाण पत्र, सामाजिक न्याय विभाग की योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किये जाए। शिविर में आयुर्वेद विभाग द्वारा भी अपनी सेवाएं दी जाएं।

इंदौर में याचिका लगाने पर सवाल

इंदौर (एजेंसी)। 1900 करोड़ रुपए के क्रिप्टो करेंसी घोटाले में एनसीएलटी में सुनवाई हुई। एनसीएलटी के अध्यक्ष अहमदाबाद से वर्चुअल जुड़े जबकि सदस्य स्कीम 40 स्थित कार्यालय में उपस्थित थे। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता वरुण रावल ने पैरवी की।एनसीएलटी ने कहा कि इस मामले में क्षेत्राधिकार मुंबई स्थित बेंच का है, इंदौर रीजन की खंडपीठ में कैसे याचिका दायर की गई। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि एनसीएलटी के नियम 11 में उल्लेख है कि व्यापक जनहित के मामले में किसी भी बेंच में सुनवाई हो सकती है।

कलेक्टर के अल्टीमेटम देने पर भी मनमानी करने वाले नामी ट्रेवल्स एजेंसियों के खिलाफ एक्शन

● *लंबी दूरी की बसों का संचालन शहरी सीमा से बाहर करने की बड़ी कार्रवाई; जिला प्रशासन ने 7 ट्रेवल्स कंपनियों के कार्यालय किये सील, 6 बसें भी जब्त*

इंदौर। इंदौर में यातायात को सुगम बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार कारगर प्रयास किये जा रहे हैं। इसी सिलसिले में गत दिवस कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर लंबी दूरी की बसों का संचालन शहरी ?सीमा से बाहर करने के संबंध में बड़ी कार्यवाही की गई है। कलेक्टर सिंह के निर्देशन में जिला प्रशासन, परिवहन विभाग, नगर निगम और यातायात पुलिस के संयुक्त दल ने कार्यवाही करते हुये शहर के बीच से बसें संचालित करने वाले 7 ट्रेवल्स एंजेसियों के ऑफिस को सील किया गया है। इस कार्यवाही में 6 बसें भी जब्त की गई।

एसडीएम जूनी इंदौर घनश्याम धनगर ने बताया कि उक्त ट्रैवल एंजेसियों के संचालकों को एक माह पूर्व ही निर्देश दिये गये थे कि वे अपनी बसों का संचालन शहर के बाहर से करना शुरू करें। उन्हें यह व्यवस्था करने के लिए एक माह का समय भी दिया गया था यह समय भी पूरा हो गया। इसके बावजूद भी उनके द्वारा शहर से ही बसों का संचालन किया जा रहा था। शहर में बसों के संचालन से यातायात लगातार बाधित होता था। दिन में कई बार यातायात जाम भी रहता था जिससे वाहन चालकों को परेशानी होती थी। जिन ट्रेवल एंजेसी के ऑफिस सील किये गये उनमें हंस ट्रेवल्स, अशोक ट्रेवल्स, मुलतानी सोना ट्रेवल्स, एसकेटी ट्रेवल्स, सिटी लिंक ट्रेवल्स, शताब्दी ट्रेवल्स और सिटीजन ट्रेवल्स शामिल है। उक्त ट्रेवल्स की 6 बसें भी जब्त की गई है।

ज्वेलरी उड़ाने वाली शातिर महिला चोर गिरफ्तार, तक़रीबन 11 लाख रुपए के आभूषण और नगदी बरामद

इंदौर। इंदौर सराफा पुलिस ने टीकमगढ़ की दो महिला चोर को जूलरी शॉप से 9 जोड़ी टॉप्स चुराने के मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से तक़रीबन 11 लाख रुपए के आभूषण और नगदी बरामद किए हैं। दरअसल, 24 जुलाई को छोटा सराफा थाना क्षेत्र की ज्वेलरी शॉप से चोरी की घटना हुई थी। इस मामले में फरियादी मोहनलाल सोनी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने इन्हें पकड़ने के लिए 700 कैमरे खंगाले, उसके बाद पुलिस महिला आरोपियों तक पहुंची।

डीसीपी ऋषिकेश मीणा ने बताया कि दो शातिर महिला चोर को गिरफ्तार किया गया है। दोनों महिलाएं ग्राम तिलरावन पहाड़ी जिला टीकमगढ़ की रहने वाली है। डीसीपी के अनुसार उनकी टीम ने इंदौर से लेकर उज्जैन तक करीब 700 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तब पता चला कि दोनों महिलाएं उज्जैन से टीकमगढ़ जाने वाली बस में बैठी है। पुलिस की टीम सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से रूट को ट्रैक करते रही, आखिर फुटेज के आधार पर कोतवाली पुलिस से संपर्क किया गया। इसके बाद महिलाओं के गांव तक पुलिस पहुंची और उसे गिरफ्तार कर इंदौर ले आई । डीसीपी ने बताया कि वे अपने कुनबे के लोगों से ट्रेनिंग लेकर चोरी की वारदात को अंजाम देती थी।

पुलिस ने दोनों महिला आरोपियों से चोरी किए गए टॉप सहित, 3 सोने के हार, एक चांदी की कंदोडी, चांदी की 10 जोड़ी बिछिया, 8 जोड़ी पायल और 8,90,000 नगदी सहित कुल 10 लाख 39 हजार का माल बरामद किया है।

पांच क्रेनो से हर माह उठाते हैं 3000 से अधिक नो पार्किंग में खड़े वाहन फिर भी शहर का ट्रैफिक जस का तस

जाम से परेशान आमजन, प्रशासन के लिए शहर का ट्रैफिक बना सबसे बड़ी समस्या

इंदौर। शहर में इन दिनों प्रशासन के लिए ट्रैफिक सबसे बड़ा सिर दर्द बनता जा रहा है। ट्रैफिक की समस्या से निपटने के लिए ट्रैफिक पुलिस, नगर निगम और प्रशासन दिनरात काम कर काफी प्रयत्न कर रहा है। इसी के चलते ट्रैफिक पुलिस के द्वारा पांच क्रेन लगातार चलाई जाती है जो नो पार्किंग में खड़ी गाड़ियों को भी उठाकर ट्रैफिक थाने लाया जाता है। हर दिन ट्रैफिक पुलिस सौ से अधिक गाड़ियां ट्रैफिक थानों पर लाती है। इंदौर में पूर्व और पश्चिम दो ट्रैफिक थाने हैं। दोनों ही जगह मिलाकर सौ गाड़ियां रोज की उठती हैं। हर गाड़ी वाले को ट्रैफिक थाने में पांच सौ रुपए का चालान भरना पड़ता है तब उसकी गाड़ी छूटती है।

जाम से बेहाल आमजन

ट्रैफिक थाना टीआई लाल बहादुर ने बताया कि हम नागरिकों से लगातार पार्किंग में गाड़ियां खड़ी करने की अपील करते हैं। इसके बावजूद भी कुछ लोग नो पार्किंग में गाड़ी खड़ी कर देते हैं। इससे बार बार जाम लगता है और जनता परेशान होती है। इन्हीं गाड़ियों को उठाकर हम ट्रैफिक थाने में लाते हैं। नगर निगम ने कई जगह पार्किंग बनाई है लेकिन लोग वहां पर गाड़ियां खड़ी नहीं करते हैं। लोगों को पार्किंग में गाड़ी खड़ी करना चाहिए और चालान से बचना चाहिए।

ड्रग पेडलर्स के खिलाफ स्पेशल 200 अभियान के तहत पुलिस ने 17 ड्रग्स पैडलर किये गिरफ्तार

इंदौर। शहर में पुलिस द्वारा ड्रग पेडलर्स के खिलाफ स्पेशल 200 अभियान शुरू किया गया है. इस अभियान के तहत शहर के सभी थानों में विशेष टीमें गठित की जाएंगी जो ड्रग पेडलर्स की पहचान कर उन पर शिकंजा कसेगी. खजराना थाना पुलिस ने ऑपरेशन ईगल क्लॉ के तहत एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 17 ड्रग्स पैडलर को गिरफ्तार किया है. इस कार्रवाई के दौरान पुलिस को नशे के सौदागरों के खिलाफ महत्वपूर्ण जानकारी भी मिली है। पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर पिछले काफी दिनों से शिकायतें मिल रही थी उसके आधार पर और क्षेत्र के नागरिकों से मिली जानकारी को जुटाकर पुलिस ने नशे के सौदागरों के खिलाफ कार्रवाई की है।

शहर में चलाये जा रहे स्पेशल 200 अभियान का मुख्य उद्देश्य ड्रग पेडलर्स को पकड़कर उन्हें सजा दिलाना है. स्पेशल 200 अभियान अभियान को लेकर पुलिस आयुक्त राकेश गुप्ता ने कहा हम इस अभियान के दौरान ड्रग पेडलर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे. हमारा मकसद ड्रग पेडलर्स को पकड़ना और उन्हें सजा दिलाना है. इस अभियान के तहत, पुलिस ड्रग पेडलर्स के नेटवर्क को तोड़ने और ड्रग्स की तस्करी को रोकने के लिए काम करेगी. स्पेशल 200 अभियान के तहत शहर के सभी थानों में विशेष टीमें गठित की जाएंगी।

इन अपराधियों की हुई गिरफ्तारी: खजराना थाने की पुलिस ने 17 ड्रग पेडलर्स को गिरफ्तार किया है. जिनसे पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां हाथ लगी है. पुलिस ने आरोपियों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की और उन्हें भविष्य में नशा नहीं करने की समझाइश दी. गिरफ्तार आरोपियों में नरेंद्र उर्फ कुबड़ा, शारिक, सादिक, फैजल उर्फ कालू, मोहम्मद सफीक, अनु, राजू, मोहम्मद शादाब, शाकिर, अकरम उर्फ अक्की, अमन उर्फ टिल टिल, आशिक, नवाब, मुस्ताक उर्फ गोल्डन, शेरु, राहुल और मोनू शामिल हैं।

इंदौर खजराना गणेश मंदिर की खोली गई 34 दान पेटियां, हफ्तेभर चलेगी गिनती, फिलहाल 86 लाख नकदी गिनी

इंदौर। देश में विख्यात शहर का आस्था का प्रतीक खजराना गणेश मंदिर की दान पेटियों को समय-समय पर खोला जाता है। दो दिन से यह प्रक्रिया चल रही है, जिसमें 86 लाख रुपए की राशि नकद गिनी जा चुकी है, जो बड़े नोटों के रूप में है। छोटे नोटों के तो बंडल बना लिए हैं, उनकी गिनती भी अलग से होगी। फिलहाल 34 दान पेटियां खुली हैं, जबकि कुल दान पेटियों की संख्या 46 है और लगभग हफ्तेभर दान पेटियों को खोलने और उनमें श्रद्धालुओं द्वारा डाली गई राशि को निकालने और गिनने में लगेंगे। सोने-चांदी के आभूषण, डॉलर सहित अन्य सामग्री भी दानदाता इन पेटियों में डाल देते हैं। पिछले मार्च के महीने में खजराना गणेश मंदिर में दान पेटियां खोली गई थीं। खजराना गणेश मंदिर के मुख्य पुजारी अशोक भट्ट के मुताबिक कुल 46 दान पेटियां हैं, जिनमें से 34 पेटियां खोली गई हैं और दो दिन की गिनती में 86 लाख रुपए की राशि नकद प्राप्त हुई है, जो बड़े नोटों के रूप में है। अभी छोटे नोटों की गिनती बाकी है। लगभग हफ्तेभर गिनती की यह प्रक्रिया चलेगी और बची दानपेटियां भी खुलेंगी। सोने-चांदी के कुछ आभूषणों के साथ-साथ भगवान गणेश से सभी समस्याओं के साथ-साथ कई तरह के पत्र भी दान पेटियों में श्रद्धालु डाल जाते हैं। कोई नौकरी की मांग करता है तो कोई शादी की तो कोई अपनी अन्य व्यक्तिगत समस्या बताता है। अभी गणेशोत्सव की तैयारियां भी मंदिर में शुरू की जा रही हैं और उस दौरान बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ रहती है। यही कारण है कि उसके पहले दान पेटियों को भी खाली किया जा रहा है, ताकि 10 दिवसीय उत्सव के दौरान ये दान पेटियां फिर भर सकें।

भवन अधिकारी एवं भवन निरीक्षक अवैध निर्माण पर केवल नोटिस जारी न करें, कार्रवाई भी करें अन्यथा नोटिस जारी करने वाले पर भी होगी कार्यवाही - महापौर

सफाई कार्य में लापरवाही करने पर सीएसआई व सहायक सीएसआई पर होगी कार्यवाही

महापौर ने वीर सावरकर झोन क्र 21 का निरीक्षण व समीक्षा बैठक की

इंदौर। महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा प्रगति नगर में स्थित स्वतंत्र वीर विनायक दामोदर सावरकर नवीन जोन क्रमांक 21 झोन कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक मधु वर्मा, आयुक्त शिवम वर्मा, महापौर परिषद सदस्य अभिषेक शर्मा बबलू, झोन अध्यक्ष प्रशांत बडवे, अन्य पार्षद, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, झोनल अधिकारी राहुल रघुवंशी एवं समस्त स्टाफ उपस्थित थे।

महापौर भार्गव ने प्रगति नगर स्थित स्वतंत्र वीर विनायक दामोदर सावरकर नवीन झोन क्रमांक 21 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 73, 79, 80, 81 के झोन क्षेत्र की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने झोन में जनकार्य, सीवरेज, जलप्रदाय, स्वास्थ्य, राजस्व विभाग में पदस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों के संबंध में जानकारी ली गई। महापौर ने समस्त भवन अधिकारी व भवन निरीक्षक को निर्देशित किया कि झोन क्षेत्रांतर्गत अवैध निर्माण पर नोटिस करते दौरान उक्त नोटिस की प्रतिलिपि आयुक्त महोदय को भी प्रेषित करें और नोटिस पर आगामी कार्यवाही भी करे अन्यथा नोटिस जारी करने वाले पर कार्यवाही की जावेगी। साथ ही झोन क्षेत्र में स्थित अवैध कालोनी व अवैध निर्माण पर सतत निगरानी रखते हुए नियमानुसार कार्यवाही करने के भी भवन अधिकारी व भवन निरीक्षक को निर्देशित किया गया। साथ ही महापौर द्वारा इंदौर 311 में लंबित शिकायतों का निराकरण करने, नवीन झोन क्षेत्र में नवीन संपत्तिकर खाते खोलने के साथ ही जलकरदाताओं के लिये वन टाइम सेटलमेंट योजना के तहत बकाया जलकर पर मिल रहे 50 प्रतिशत छूट का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कर करदाताओं को जागरूक करते हुए जलकर वसूली करने के भी निर्देश दिये गये।

बैठक में महापौर भार्गव द्वारा झोन क्षेत्र में आवश्यकता अनुसार जनकार्य, जलप्रदाय, सीवरेज, स्वच्छता, राजस्व वसूली, डोर टू डोर कचरा संग्रहण, भवन अनुज्ञा एवं समस्त विभागों में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों की जानकारी लेते हुए कार्यो की समीक्षा की गई। महापौर ने सभी विभागों को उनके कार्यों में और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य झोन क्षेत्र के समस्त कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करना एवं नागरिकों को उच्च गुणवत्ता की सेवाएँ प्रदान करना था। साथ ही झोन क्षेत्र में किये गये कार्यो के पश्चात रेस्टोरेशन कार्य को भी कराने के निर्देश दिये गये। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के समस्त सीएसआई को निर्देशित करते हुए कहा कि इंदौर के स्वच्छता अभियान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। स्वच्छता कार्य में लापरवाही करने वाले के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी, साथ ही रात्रिकालीन सफाई कार्य में संलग्न सहायक सीएसआई को निर्देशित किया कि शहर में स्थित चाट-चौपाटी व बाजारों में रात्रि में ही सफाई कराना सुनिश्चित करे अन्यथा क्षेत्रीय दरोगा व सफाई मित्र के स्थान पर संबंधित सीएसआई व सहायक सीएसआई पर होगी कार्यवाही।

आईआईएम इंदौर आईपीएम की नई बैच तैयार

156 को मिला प्रवेश, इनमें पांच विदेशी छात्र भी

इंदौर (एजेंसी)। आईआईएम इंदौर के पांच वर्षीय कोर्स आईपीएम (इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट) की 2024-29 बैच का इंडक्शन प्रोग्राम हुआ। आईपीएम कोर्स की इस बैच में कुल 156 छात्र हैं। इनमें पांच विदेशी छात्र भी हैं। आईआईएम इंदौर के इस स्पेशल कोर्स में एडमिशन के लिए हुई प्रवेश परीक्षा में कुल 28,596 छात्र शामिल हुए थे। उनमें से 156 का चयन हुआ है। कार्यक्रम का उद्घाटन आईआईएम इंदौर के डायरेक्टर प्रो. हिमांशु राय ने किया। राय ने कहा कि छात्रों को अनुशासन का खास ध्यान रखना होगा। पिछली उपलब्धियों को याद रखें और उनसे शक्ति प्राप्त करें, ताकि आप पहला कदम उठा सकें। इस अवसर पर आईपीएम के चेयर प्रो. सौरभ कुमार ने नई बैच का स्वागत किया। उन्होंने कहा इस साल आईपीएम प्रवेश परीक्षा में इतनी बड़ी संख्या में आवेदन आना यह बताता है कि आईपीएम प्रतिष्ठित कार्यक्रमों में से एक है।

ऐसे मिला एडमिशन - जानकारी अनुसार 28 हजार से ज्यादा छात्रों में से प्रवेश परीक्षा के बाद 857 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए चुना गया था। फिर उनमें से 156 उत्कृष्ट विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया। इनमें 59 छात्राएं तथा 97 छात्र हैं। खास बात यह है कि वाणिज्य, जीव विज्ञान, गणित, कला और मानविकी जैसे अलग-अलग संकाय के छात्रों की इस बैच को अब पांच साल यहीं पढ़ना है।

छात्रों का सम्मान भी किया - आईपीएम कोर्स में पुरानी बैच के वे छात्र जिनका पहले तीन वर्षों में एकेडमिक परफार्मेंस बेहतरीन रहा, उनका सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्व. आद्या प्रभा छात्रवृत्ति की घोषणा की गई। आईपीएम की छात्रा नंदिनी सेठी को इससे सम्मानित किया गया।4 छात्र यूएस के, एक यूके से - इस बैच में 4 यूएसए से हैं, जबकि एक यूके से है।

संपादकीय | 12 फीसदी बुजुर्गों को आयुष्मान भारत का फायदा!

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा हाल ही में संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार सरकार की आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के लाभार्थियों की संख्या 12 प्रतिशत से अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी तक उनके इलाज की लागत कुल खर्च का लगभग 14 प्रतिशत है। आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी 2024 तक हॉस्पिटल में भर्ती लगभग 6.2 करोड़ लोगों में से 57.5 लाख 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक थे। इस योजना के तहत इलाज पर सरकार का खर्च जनवरी 2024 तक पिछले छह वर्षों में 79,200 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिसमें से 9,878.5 करोड़ रुपये 70 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों के इलाज के लिए आवंटित किए गए थे। अस्पताल में भर्ती किए गए लोगों की संख्या और लागत भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के लिए एक चुनौती है क्योंकि पार्टी के प्रमुख चुनावी एजेंडे में से एक आयुष्मान भारत का विस्तार भी था। जिसके तहत 70 वर्ष से ज्यादा उम्र के सभी व्यक्तियों को शामिल किया जाएगा चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। इस कदम से योजना में लगभग 4 करोड़ नए लाभार्थियों को जोड़ने की तैयारी है। वर्तमान में केवल गरीब जो एसईसीसी डेटा में शामिल हैं, योजना के तहत वार्षिक 5 लाख रुपये के कवरेज पाने वाले लोगों में से हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी व्यक्तियों के लिए कवरेज का विस्तार करने की लागत सभी आयु समूहों के सबसे गरीब 40 प्रतिशत लोगों को कवर करने की तुलना में अधिक होगी। ओपी जिंदल विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ गवर्नमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी में स्वास्थ्य अर्थशास्त्री और प्रोफेसर डॉ इंद्रनील मुखोपाध्याय ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत के दौरान कहा, जब साधन संपन्न वृद्ध लोगों को भी कवर किया जाएगा तो सरकारी खजाने की लागत बढ़ने की संभावना है। जिसका अर्थ है कि पॉलिसी का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या बहुत अधिक होने की संभावना है। दूसरा, वृद्ध व्यक्तियों के लिए प्रीमियम भी अधिक होने की संभावना है क्योंकि उन्हें पुरानी बीमारियों और स्वास्थ्य जटिलताओं के लिए देखभाल की ज्यादा जरूरत होती है। फरवरी में जहां सरकार के अंतरिम बजट के दौरान आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए आयुष्मान भारत बीमा योजना का विस्तार किया गया था, वहीं जुलाई में पूर्ण बजट पेश किए जाने के दौरान किसी और विस्तार का कोई उल्लेख नहीं किया गया था। बीमा योजना के लिए आवंटन भी केवल 100 करोड़ रुपये बढ़कर 7,300 करोड़ रुपये किया गया था। लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग स्टडी इन इंडिया (लस्द्ध) के अनुसार, भारत की 60 वर्ष से अधिक आयु की जनसंख्या 2011 में 8.6 प्रतिशत से बढ़कर 2050 तक 19.5 प्रतिशत होने का अनुमान है। इसका मतलब है कि 60 वर्ष से अधिक आयु की जनसंख्या 2011 में 103 मिलियन से तीन गुना होकर 2050 में 319 मिलियन हो जाएगी। कई राज्यों में वृद्ध व्यक्तियों के अस्पताल में भर्ती का अनुपात देश की कुल जनसंख्या के 10 प्रतिशत से अधिक हो गया है। महाराष्ट्र 20.49 प्रतिशत के साथ सबसे आगे है। उसके बाद केरल (18.75 प्रतिशत), हरियाणा (18.13 प्रतिशत), बिहार (16.56 प्रतिशत), हिमाचल प्रदेश (16.37 प्रतिशत), उत्तराखंड (15.23 प्रतिशत), तेलंगाना (11.53 प्रतिशत) हैं।), उत्तर प्रदेश (10.99 प्रतिशत), कर्नाटक (10.92 प्रतिशत), झारखंड (10.35 प्रतिशत), और पंजाब (10.14 प्रतिशत) का नंबर आता है। इसके विपरीत तमिलनाडु में आयुष्मान योजना के तहत अस्पताल में भर्ती का अनुपात सबसे कम दर्ज किया गया, जिसमें वृद्ध व्यक्तियों की संख्या कुल भर्ती का केवल 3.12 प्रतिशत थी। कम भर्ती के बावजूद, योजना के तहत वृद्ध व्यक्तियों की देखभाल पर राज्य का खर्च उसके कुल स्वास्थ्य देखभाल व्यय का 7.45 प्रतिशत था। इससे पता चलता है कि तमिलनाडु में अपेक्षाकृत कम वृद्ध व्यक्तियों के लिए इलाज की लागत सामान्य आबादी की तुलना में काफी अधिक है। बुजुर्गों की देखभाल पर खर्च का सबसे अधिक अनुपात महाराष्ट्र (27.49 प्रतिशत), केरल (19.9 प्रतिशत), हरियाणा (19.8 प्रतिशत), हिमाचल प्रदेश (16.98 प्रतिशत), बिहार (16.8 प्रतिशत), उत्तराखंड (16.56 प्रतिशत), कर्नाटक (15.04 प्रतिशत) और पंजाब (14.67 प्रतिशत) में देखा गया। फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट के डॉ. आकाश जयसवाल ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत के दौरान कहा, बुजुर्गों के लिए निमोनिया जैसी बीमारियों के इलाज का खर्च भी बहुत अधिक है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें ठीक होने में अधिक समय लग सकता है, उन्हें अन्य संक्रमण होने की अधिक संभावना होती है, उनके अन्य पैरामीटर जैसे रक्त शर्करा, इलेक्ट्रोलाइट्स और रक्तचाप को संतुलित होने में अधिक समय लगता है। साथ ही उन्हें आईसीयू देखभाल की जरूरत होने की अधिक संभावना होती है जो कि महंगा होता है।

इस्लामिक देशों की अशांति से भारत को क्या सबक लेना चाहिए?

नीरज कुमार दुबे

तुर्की अशांत है, यमन अशांत है, कांगो अशांत है, ईरान अशांत है, इराक अशांत है, सूडान अशांत है, मिस्र अशांत है, सीरिया अशांत है, बांग्लादेश अशांत है, सोमालिया अशांत है, पाकिस्तान अशांत है, मालदीव अशांत है, नाइजीरिया अशांत है, तजाकिस्तान अशांत है, अफगानिस्तान अशांत है। देखा जाये तो दुनिया के अधिकतर इस्लामिक देश अशांत हैं। बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान तो कभी अखण्ड भारत का ही हिस्सा थे लेकिन इनकी दिक्कतें तभी शुरू हुईं जब यह इस्लामिक देश बने। जबकि हिंदू बहुल भारत में लोकतंत्र मजबूत और स्थिर रहा तथा देश के सेकुलर रहने से सभी धर्मों के लोग यहां पूरी आजादी के साथ अपने जीवन का निर्वहन करते हैं।

लेकिन भारत का साम्प्रदायिक सौहार्द्र उन अराजक तत्वों को भा नहीं रहा है जोकि 2047 तक हिंदुस्तान को इस्लामिक राष्ट्र में तब्दील करने का एजेंडा लेकर आगे बढ़ रहे हैं। इसके लिये योजनाबद्ध तरीके से विभिन्न इलाकों की डेमोग्राफी बदली जा रही है। रिपोर्टों के मुताबिक देश के 9 राज्यों, 200 जिलों और 1500 तहसीलों का जनसांख्यिकी अनुपात बिगाड़ा जा चुका है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने पिछले सप्ताह ही कहा था कि भारत में रोहिंग्या घुसपैठ काफी बढ़ गई है तथा जनसांख्यिकी में बदलाव आने का खतरा वास्तविक और गंभीर है। उन्होंने कहा था कि रोहिंग्या लगातार भारत-बांग्लादेश सीमा का इस्तेमाल करके भारत में आ रहे हैं और कई राज्य जनसांख्यिकीय बदलाव की समस्या का सामना कर रहे हैं।

देखा जाये तो यदि इस समस्या का समाधान निकालने पर ध्यान नहीं दिया गया तो मुश्किलें खड़ी होना तय है। इस संबंध में विश्व इतिहास के कुछ उदाहरणों से सबक लिया जा सकता है। पहले तुर्की, मिस्र और सीरिया में ईसाई बहुसंख्यक थे। लेकिन आज यह इस्लामिक राष्ट्र हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं की अच्छी खासी आबादी थी जोकि अब न्यूनतम स्तर पर पहुँच गयी है। ईरान में 90त्न पारसी थे और उसका नाम पर्सिया था लेकिन आज वह इस्लामिक देश है और वहां कट्टरपंथी सोच वाली सरकार है। वैश्विक घटनाक्रमों पर नजर डालेंगे तो यह भी प्रतीत होगा कि कम कट्टरपंथियों वाले देश और ज्यादा कट्टरपंथियों वाले देश के हालात में क्या फर्क होता है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन, इटली, नॉर्वे आदि में कट्टरपंथियों की आबादी 2 प्रतिशत से भी कम है इसलिए वहां दंगे इत्यादि नहीं होते। डेनमार्क, जर्मनी, ब्रिटेन, स्पेन और थाईलैंड में कट्टरपंथियों की आबादी 5 प्रतिशत तक है इसलिए वहां आपको अक्सर छोटी-छोटी बातों पर धरना प्रदर्शन होने की खबरें मिलती होंगी। फ्रांस, फिलिपींस, स्वीडन, स्विट्ज़रलैंड, नीदरलैंड, त्रिनिदाद और टोबैगो आदि में कट्टरपंथियों की आबादी 10 प्रतिशत तक है इसलिए वहां विशेष दर्जा और तमाम सुविधाओं की मांग को लेकर प्रदर्शन होते हैं। गुयाना, भारत, इज़राइल, केन्या और रूस आदि में इनकी आबादी 10 से 20 प्रतिशत तक है तो विशेष धार्मिक कानून, विशेष स्कूल, विशेष तालीम और विशेष ड्रेस कोड लागू करने पर जोर दिया जाता है।

विनेश फोगाट को संवेदना नहीं प्रोत्साहन दीजिये

राकेश अचल

पेरिस ओलम्पिक में मात्र 100 ग्राम वजन बढ़ने की वजह से फाइनल में न खेल पाने के बाद भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने हालाँकि कुश्ती से सन्यास की घोषणा कर दी है लेकिन मुझे लगता है कि ये एक जल्दबाजी में लिया गया फैसला है। विनेश के साथ पूरा देश खड़ा हुआ है। विनेश को इस समय संवेदना की नहीं बल्कि प्रोत्साहन की जरूरत है। विनेश को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए।

पेरिस ओलम्पिक से बाहर की गयी विनेश का कैरियर इस रोक के बाद समाप्त नहीं हो जाता। विनेश के लिए ये घटना एक दुःस्वप्न से कम नहीं है लेकिन उसे इसे भुलाना ही होगा। ऐसा करना आसान काम नहीं है क्योंकि विनेश जिस मुकाम पर आकर टूटी है वहां आकर कोई भी पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहता। विनेश की पीड़ा को आम हिन्दुस्तानी समझता है और शायद इसीलिए विनेश से सीधा कोई रिश्ता न होते हुए भी हर भारतीय की संवेदना विनेश के साथ बा-बस्ता दिखाई देती है।

अर्जुन पुरस्कार से अलंकृत विनेश हमारे लिए तमाम बड़े पुरस्कारों से बड़ा पुरस्कार है। इस समय जरूरत इस बात की है कि देश की वो ही सरकार विनेश के लिए लड़े जिसने कुछ महीनों पहले अपनी पार्टी के सांसद के जरिये विनेश और विनेश के साथ देश की पूरी पहलवान बिरादरी को सड़कों पर अपमानित किया था। विनेश उस मान-मर्दन की पीड़ा को भूलकर ओलम्पिक खेलों में शामिल हुई थी। उसने पहली दो प्रतियोगिताएं जीतकर भी दिखाई थी। विनेश फाइनल में भी जीतती लेकिन उसे जीतने नहीं दिया गया। अभी ये नहीं कहा जा सकता कि विनेश किसी अंतरराष्ट्रीय साजिश का शिकार हुई या उसका नसीब ही खराब था। भारत की सरकार को इस मामले में अंत तक लड़ना चाहिए। यदि सरकार न लड़ी तो ये एक बहुत बड़ी भूल होगी।

विनेश अभी कुल 30 साल की ही तो है। उसने राष्ट्रमंडल खेलों से लेकर ओलंपिक खेलों तक का सफर जिस तरह से पूरा किया है वो सराहनीय है। विनेश जिन परिस्थितियों से जूझकर यहां तक पहुंची है वो दुनिया के हर खिलाड़ी के लिए प्रेरणास्पद है। सरकार को स्कूली पाठ्यक्रमों में दीगर विषयों को पढ़ाये जाने की जिद छोड़कर विनेश की जीवनी पढ़ने की व्यवस्था करना चाहिए। उसे ओलम्पिक के स्वर्णपदक से वंचित किया गया है। सरकार उसे देश का कोई भी सर्वोच्च नागरिक सम्मान देकर उसके घाव भर सकती है लेकिन दुर्भाग्य ये कि जब विनेश अपने जीवन की सबसे बुरी

घड़ियों से गुजर रही है तब सरकार की ओर से संसद में बताया जाता है कि सरकार ने विनेश को तैयार करने पर कितना खर्च किया ये दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार ने विनेश पर जितना खर्च किया है इतना पैसा तो देश के मंत्री एक दिन में खर्च कर देते हैं। आखिर 70 लाख रुपये की क्या कीमत है ?

ओलम्पिक खेलों में भारत की हैसियत किसी से छिपी नहीं है। ओलम्पिक खेलों की पद्कतालिका में भारत विश्वगुरु नहीं बल्कि एक पुंछल्ला है। उसका स्थान 63वां है आबादी के लिहाज से दुनिया का दूसरा बड़ा देश और खेलों में इतना फिसड्डी ? जाहिर है कि इस देश में अभी तक की सरकारों ने खेलों कि लिए ज्यादा कुछ किया ही नहीं। देश के पास 8500 करोड़ का विमान खरीदने के लिए बजट है किन्तु खेल के लिए नहीं। हाल के बजट में खेल के बजट में मात्र 20 करोड़ रूपये की बढ़ोत्तरी की गयी है। इस बजट से भविष्य में कोई विनेश फोगाट तैयार नहीं की जा सकती। यदि भारत को सचमुच विश्व गुरु बनना है तो उसे खेल के मामले में चीन से मुकाबला करने की दृढ इच्छाशक्ति पैदा करना होगी।

दुनिया जानती है कि खेल सरकारी प्रोत्साहन के साथ ही दृढ इच्छाशक्ति और खेलों को राजनीति से मुक्ति के बिना मुमकिन नहीं है। देश का दुर्भाग्य ये है कि आज भी देश के तमाम खेल संगठनों पर खिलाड़ियों का नहीं बल्कि नेताओं और नेता-पुत्रों का कब्जा है।और ये स्थिति आज से नहीं नेहरू से लेकर नरेंद्र युग तक बादस्तूर जारी है। न कांग्रेस ने खेल संगठनों को आजाद रखा और न भाजपा रख पा रही है। वे नेता जो खेल का ककहरा भी नहीं जानते आजकल खिलाड़ियों का भविष्य संवारने का दायित्व निभा रहे हैं। बेहतर हो कि पेरिस ओलम्पिक में चोट खाने के बाद सरकार सभी खेल संगठनों से नेताओं को एक झटके में हटाकर वहां खिलाड़ियों को बैठाये। राष्ट्रमंडल खेलों से लेकर ओलम्पिक खेलों के लिए एक-दो महीने की नहीं बल्कि निरंतर तैयारी की व्यवस्था करे। देश के मान-सम्मान के लिए जितनी जरूरत सैनिकों की है उतनी ही जरूरत खिलाड़ियों की भी है।

विनेश फोगाट हमारे लिए एक आदर्श भी है और एक सबक भी। हमें उसे टूटने से बचना होगा। ये सरकार की भी जिम्मेदारी है और समाज की भी। समाज विनेश के साथ पहले से खड़ा है। सरकार को उसके साथ खड़ा होना है और ओलम्पिक समिति के साथ निर्णायक लड़ाई लड़ना है। जब तक विनेश को न्याय नहीं मिलता भारत को ओलम्पिक खेलों के बहिष्कार की घोषणा करना चाहिए। जब तक सरकार इस तरह के कठोर फैसले नहीं करेगी तब तक ओलम्पिक खेलों के दकियानूसी नियम नहीं बदले जायेंगे। विनेश को फाइनल से पहले की प्रतियोगिताओं में जीतने का सिला पदकों के रूप में मिलना ही चाहिए। उसने जो प्रतियोगिताएं जीतीं है उनमें तो उसे अयोग्य नहीं घोषित किया गया था। मैंने भावुकता में तमाम बातें कह दीं, लेकिन मुझे पता है कि जो देश वोटों की खातिर देश की 85 करोड़ आबादी को पांच किलो अनाज पर ज़िंदा रखे हुए है वो देश किसी भी सूरत में खेलों के मामले में चीन का मुकाबला नहीं कर सकता। ये आसान काम नहीं है। हमारे यहां तो ओलम्पिक खेलों में पदक हासिल करने वलों को खेलों के लिए समर्पित करने के बजाय राजनीति के दलदल में उतार दिया जाता है क्योंकि खिलाडियों के आभामंडल से वोट मिलते है। आज देश के हर राजनीतिक दल के पास रिटायर्ड खिलाड़ी हैं। उन्हें अपने अनुभवों से भविष्य के खिलाड़ी पैदा करना चाहिए थे किन्तु वे राजनीति के जरिये सत्तासुख भोगने का निर्लज्ज काम कर रहे हैं। क्रिकेटर हों या पहलवान, निशानेबाज हों या मुक्केबाज, सब राजनीति के शिकार हैं या राजनीति के औजार हैं। ऐसे में विनेश फोगाट का कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा करना उसकी हताशा का नतीजा है। सरकार को चाहिए कि वो विनेश को भरोसा दिलाये और खेल के मैदान से न हटने के लिए तैयार करे। विनेश का लोहा अभी समाप्त नहीं हुआ है। वो खेलों के जरिये देश की लम्बे समय तक सेवा कर सकती है।

आज का कार्टून

जीसीसी को स्थापित एवं विकसित करने मिलेगी हर संभव मदद और सुविधा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सीएम ने इन्वेस्ट मध्यप्रदेश रोड-शो में उद्योगपतियों से किया संवाद

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) को स्थापित एवं विकसित करने के लिए हर संभव मदद और सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बेंगलुरु में इन्वेस्ट मध्य प्रदेश रोड-शो के दौरान जीसीसी पर राउंड टेबल मीटिंग को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों और इन्वेस्टर्स को आश्वस्त किया कि बेंगलुरु जैसे टियर-1 शहर की सभी आवश्यकताएं एवं अनुकूलता प्रदेश के विभिन्न शहरों में विकसित की जाएगी। जीसीसी एवं उसके लिए आवश्यक सभी क्षेत्रों में समान रूप में अधोसंरचना और सुविधाओं का विकास किया जाएगा, जिससे कि प्रदेश के जीसीसी को स्थापित होने के लिए अनुकूल ईको-सिस्टम मिल सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जीसीसी को प्रदेश में स्थापित करने के लिए उद्योगपतियों से लगातार संवाद का क्रम जारी रहेगा। राउंड-टेबल मीटिंग में जीसीसी की स्थापना, अनुकूलता, संभावना और निवेश पर विस्तृत चर्चा की गई। बेंगलुरु एवं देशभर से प्रसिद्ध जीसीसी कंपनी के प्रतिनिधियों ने जीसीसी के लिए आवश्यक टैलेंट बिल्डिंग, अधोसंरचना, निवेश, इकोसिस्टम, कोलेबरेशन, कनेक्टिविटी, रोजगार के अवसर विकसित करने संबंधी विचार रखे और आवश्यक सुझाव दिए। मीटिंग में विभिन्न उद्योगपतियों सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन कार्यक्रम सह महिला उद्यमी सम्मेलन 13 अगस्त को भोपाल में

मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश की चुनिंदा 500 से अधिक महिला उद्यमियों से करेंगे संवाद, भूमि-पूजन और लोकार्पण भी होगा

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 अगस्त को उद्यमी सम्मेलन सह रक्षाबंधन कार्यक्रम में प्रदेश की महिला उद्यमियों से संवाद करेंगे। कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर भोपाल में होने वाले इस कार्यक्रम में प्रदेश की 500 से अधिक महिला उद्यमी बहनें शामिल होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ महिला उद्यमी अपने अनुभव भी साझा करेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उद्यमियों को अनुदान भी वितरित करेंगे। सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप भी कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण क्षेत्रीय टीवी न्यूज चैनल और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर किया जायेगा। सचिव एमएसएमई डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने बताया कि महिला सशक्तिकरण के राज्य सरकार के संकल्प को पूरा करने के लिये यह आयोजन किया जा रहा है। इसमें सफल महिला स्टार्ट-अप के साथ महिला संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा भी अपने अनुभव साझा किये जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कई इकाइयों का भूमि-पूजन और लोकार्पण भी करेंगे। महिला उद्यमी सम्मेलन में मध्यप्रदेश एसोसिएशन ऑफ वूमेन इंटरप्राइजेज, फिक्की, सीआईआई का इंडियन वूमेन नेटवर्क, लघु उद्योग भारती, डिक्की, बी.आई.सी.बी.आई., पीएचडी चेंबर, बीएनआई और आईएम स्टार्ट-अप संगठन की महिला उद्यमी और पदाधिकारी शामिल होंगे।

शिक्षा जीवन को बनाती है अर्थपूर्ण...

सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

मूल्य शिक्षा हमें सहानुभूति, करुणा, ईमानदारी, सहनशीलता और आदर जैसे महत्त्वपूर्ण गुण सिखाती है, जो हमारे जीवन को अर्थपूर्ण बनाते हैं। मूल्य शिक्षा के कई महत्त्वपूर्ण तत्त्व हैं जो हमारे व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं। इनमें सबसे प्रमुख सहानुभूति और करुणा हैं। ये गुण हमें दूसरों की भावनाओं को समझने और उनकी सहायता करने की प्रेरणा देते हैं, जिससे हम एक बेहतर समाज की नींव रखते हैं। ईमानदारी भी एक अहम गुण है, जो हमें सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। यह गुण हमारे व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन दोनों में अहम भूमिका निभाता है। सहनशीलता वह गुण है जो हमें विभिन्न परिस्थितियों में धैर्य और संयम बनाए रखने की क्षमता प्रदान करता है। विपरीत परिस्थितियों में भी सकारात्मक बने रहने की प्रेरणा हमें सहनशीलता से मिलती है। आदर दूसरों की भावनाओं, विचारों और अधिकारों का सम्मान करने का गुण है, जो हमें समाज में सभी के साथ समानता और सम्मान के साथ व्यवहार करने की प्रेरणा देता है। इन सभी गुणों का सम्मिलित प्रभाव यह होता है कि वे हमें एक अच्छे और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करते हैं। मूल्य शिक्षा के माध्यम से हम इन गुणों को अपने जीवन में शामिल कर सकते हैं, जिससे हमारा समाज और अधिक संवेदनशील, ईमानदार, सहनशील और सम्मानपूर्ण बन सकता है।

जीवन मूल्यों की शिक्षा दरअसल नैतिकता और मानवीय मूल्य सिखाकर हमें बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा देती है। मूल्य शिक्षा के माध्यम से हम एक सहानुभूतिपूर्ण, करुणामयी और ईमानदार समाज का निर्माण कर सकते हैं। यह हमारे बच्चों के चरित्र निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे वे जीवन में सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं। मूल्य शिक्षा, नैतिकता और आदर्शों की समझ देकर समाज को सुदृढ़ और समृद्ध बनाती है।

स्कूल बच्चों का चरित्र निर्माण करने का महत्त्वपूर्ण स्थान है। यहां उन्हें शैक्षणिक ज्ञान के साथ नैतिक और मानवीय मूल्य भी सिखाए जाते हैं। स्कूलों में मूल्य शिक्षा का कार्यक्रम बच्चों को नैतिकता, सहानुभूति, ईमानदारी और आदर जैसे महत्त्वपूर्ण गुण सिखाने का उद्देश्य रखता है। यह कार्यक्रम उन्हें न केवल एक अच्छे विद्यार्थी, बल्कि एक अच्छे इंसान बनने की प्रेरणा देता है। इन गुणों के माध्यम से बच्चे समाज में सकारात्मक योगदान देने और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित होते हैं।

समाज वह स्थान है, जहां हम अपनी अधिकतर जिंदगी बिताते हैं और यहां हमें विभिन्न प्रकार के लोगों से मिलना और उनके साथ सामंजस्य बनाना होता है। मूल्य शिक्षा लोगों को सही और गलत के बीच अंतर करने की समझ देती है, जिससे वे अपने कार्यों और निर्णयों में नैतिकता का पालन कर सकें। जब समाज में मूल्य शिक्षा का प्रचार-प्रसार किया जाता है, तो इससे न केवल व्यक्तियों का नैतिक विकास होता है, बल्कि यह पूरे समाज को एकजुट और सशक्त बनाता है। नैतिक मूल्यों से लैस व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति अधिक जिम्मेदार और दूसरों के प्रति सहानुभूतिशील होते हैं। इससे आपसी सम्मान और सहयोग की भावना बढ़ती है, जिससे समाज में एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है। मूल्य शिक्षा के माध्यम से हम ईमानदारी, सद्भावना, सहिष्णुता और न्याय जैसे महत्त्वपूर्ण गुणों को समाज में स्थापित कर सकते हैं। यह न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि एक सामंजस्यपूर्ण और नैतिक समाज के निर्माण के लिए भी अपरिहार्य है।

मूल्य शिक्षा व्यक्ति के चरित्र को सुदृढ़ बनाती है। सही और गलत के बीच अंतर करने की क्षमता प्रदान करती है। इसके माध्यम से हम एक नैतिक और सहानुभूतिपूर्ण समाज का निर्माण कर सकते हैं। यह शिक्षा व्यक्ति को आत्म-संयम, सहनशीलता और आत्म-सम्मान जैसे महत्त्वपूर्ण गुण सिखाती है, जो हमारे व्यक्तिगत विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस शिक्षा के माध्यम से सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा मिलता है। यह हमें दूसरों के प्रति सहानुभूति और आदर का भाव रखने की प्रेरणा देती है, जिससे समाज में सौहार्द और सहयोग का माहौल बनता है। इससे हम सभी एकजुट होकर एक बेहतर समाज की ओर बढ़ सकते हैं। नैतिक मूल्यों पर आधारित शिक्षा न केवल हमारे व्यक्तिगत जीवन को सुदृढ़ बनाती है, बल्कि समाज को भी एक सकारात्मक दिशा में अग्रसर करती है। मूल्य शिक्षा के ये गुण हमें एक जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनाते हैं, जो समाज की प्रगति और एकता में योगदान देते हैं। यह हमें न केवल एक अच्छे इंसान, बल्कि एक बेहतर समाज का निर्माण करने की प्रेरणा देती है। इसके माध्यम से हम अपने समाज को एक नैतिक और सहानुभूतिपूर्ण स्थान बना सकते हैं, जहां सभी लोग एक-दूसरे का आदर और सम्मान करें।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमें उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

आईटीआई इंदौर में फूड एंड बेवरेजस सर्विस असिस्टेंट व्यवसाय का कोर्स प्रारंभ, प्रवेश की अंतिम तिथि 14 अगस्त

इंदौर। इंदौर के युवाओं को होटल सेक्टर में केरियर बनाने के लिए सुनहरा अवसर मिल रहा है। राज्य शासन के कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग तथा सयाजी होटल ने मिलकर फूड एंड बेवरेजस सर्विस असिस्टेंट व्यवसाय का कोर्स संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में प्रारंभ किया है। पहली बार प्रारंभ हुए इस कोर्स में 20 युवाओं को प्रवेश दिया जायेगा। प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 14 अगस्त है। बताया गया कि यह कोर्स युवाओं के लिए बेहद फायदेमंद है। इसमें नौकरी की अपर संभावनाएं है। बताया गया कि इस कोर्स में युवाओं को शिक्षण-प्रशिक्षण दिया जायेगा। यह प्रशिक्षण होटल सयाजी में होगा। प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को 5 हजार रुपये प्रतिमाह का स्टाइफण्ड भी मिलेगा। संस्थान द्वारा फूड एंड बेवरेजस सर्विस असिस्टेंट व्यवसाय में दिए जाने वाले प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष रहेगी। संस्थान में प्रशिक्षण् के साथ होटल सयाजी इंदौर में भी प्रशिक्षण होगा। इच्छुक युवाओं से आवेदन पत्र 14 अगस्त तक मंगाये गये है। आवेदक की योग्यता 10वीं पास तथा उम्र 18 वर्ष से पूर्ण होना चाहिए। आवेदन 222.स्न्ह्मस्त्र.द्बश्च.द्द1.द्बठ्ठ पर ऑनलाइन किये जा सकते है। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नम्बर 9425061607 अथवा शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सुखलिया मेन रोड, नंदा नगर, इंदौर में संपर्क किया जा सकता है।

एक दिवसीय रोजगार मेला 14 अगस्त को

इंदौर। इन्दौर में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन 14 अगस्त 2024 बुधवार को किया जायेगा। यह मेला सुबह 11 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 3 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय परिसर (जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के पास) 10 पोलोग्राउन्ड इन्दौर में आयोजित किया जा रहा है। उप संचालक रोजगार पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि उक्त रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कम्पनियां जिनमें म्यूज़ फाउंडेशन, वेंचर फिनकॉर्प, रघुवंश एंटरप्राइजेज, आदिनाथ पॉलीप्लास्ट, अनुदीप फाउंडेशन, श्याम (टाटा) ऑटोमोटिव, मेनपॉवर सर्विसेज (एसजीएस), जस्ट डॉयल, आदि शामिल है लगभग 300 से अधिक विभिन्न पदों युवाओं का चयन करेंगी। इन पदों में सेल्स एक्जिकिटीव, टेलीकॉलर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, टेक्नीशियन, सैल्स, टीम लिडर, ड्रायवर, बैकआफिस, सुरक्षा गार्ड, हैल्पर, ऑफिस बॉय आदि शामिल है। आकर्षक वेतन पर रोजगार प्रदान करने हेतु कम्पनियों के प्रतिनिधि आवेदकों के साक्षात्कार लेकर प्रारम्भिक रूप से चयन करेंगे। उक्त मेले में 18 से 40 वर्ष के आवेदक जो की आठवीं से लेकर स्नातकोत्तर किसी भी विषय में पास आवेदक एवं तकनिकी योग्यता के आवेदक भी उक्त पदों हेतु रोजगार मेले में भाग लेकर योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते है। रोजगार मेले में सम्मिलित होने वाले आवेदक अपनी समस्त शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्रों के साथ बायोडेटा की प्रतियाँ एवं अन्य प्रमाण पत्र जैसे- आधार कार्ड आदि के प्रमाणपत्रों की फोटो प्रतियों भी आवश्यक रूप से साथ लाना होगा।

प्रमोटर्स ने खरीदे कंपनी के 50 लाख शेयर, खबर आते ही 38 प्रतिशत चढ़ गया भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। कैप्टन पॉलीप्लास्ट लिमिटेड के शेयर लगातार फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज गुरुवार को 10 प्रतिशत तक चढ़कर 79.80 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। यह इसका 52 वीक का हाई प्राइस भी है। इससे पहले बुधवार को इस शेयर में 18 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी गई थी। पिछले पांच दिन में कैप्टन पॉलीप्लास्ट लिमिटेड के शेयर करीबन 38 प्रतिशत तक चढ़ गए हैं। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ा ऐलान है। दरअसल, कंपनी ने घोषणा की है कि उसके बोर्ड मेंबर की बैठक 14 अगस्त, 2024 को होने वाली है। इसमें 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही नतीजे जारी किए जाएंगे। आपको बता दें कि कंपनी के प्रमोटर्स ने 50,00,000 शेयर खरीदे और जून 2023 की तुलना में जून 2024 में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 69.52 प्रतिशत कर दी।

छोटे शहर के लड़के ने लगाई कारोबार में लंबी छलांग, शुरू की खुद की कंपनी, आज 600 करोड़ के मालिक

नईदिल्ली, एजेंसी। साकेत दंडोतयिा मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले से ताल्लुक रखते हैं। वह एक सफल उद्यमी और एंजेल इन्वेस्टर बन चुके हैं। उनकी नेटवर्थ करीब 600 करोड़ रुपये का है। अपनी यात्रा की शुरुआत एक छोटे से शहर से करते हुए साकेत ने कई चुनौतियों का सामना किया है। उन्होंने कड़ी मेहनत और लगन से उन्हें पार करते हुए सफलता हासिल की। आइए, यहां साकेत दंडोतयिा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

2012 में शुरू की खुद की कंपनी - कॉमिक्स किराये पर देकर पैसे कमाने से लेकर इंदौर आईटी पार्क में अपनी कंपनी स्थापित करने तक साकेत दंडोतयिा ने हमेशा अपनी उद्यमशीलता कौशल का प्रदर्शन किया है। 12वीं कक्षा में कम अंक हासिल करने और आइआइटी जेइइ में जगह नहीं बनाने के बावजूद वह हार नहीं माने। उन्होंने एमआइटीएस इंदौर से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। सॉफ्टवेयर फर्म में काम करने के बाद साकेत ने 2012 में अपनी खुद की कंपनी लिंकाइट्स शुरू करने के लिए नौकरी छोड़ दी।

सिर्फ 6 कर्मचारियों के साथ हुई थी शुरुआत- शुरुआत में सिर्फ 6 कर्मचारियों के साथ शुरू हुई लिंकाइट्स तेजी से बढ़ी। सिर्फ 3 साल के भीतर 150 कर्मचारियों तक पहुंच गई। इंदौर आईटी पार्क में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाली यह 5वीं कंपनी बन गई। यहां साकेत ने 12,000 वर्ग फीट का ऑफिस स्थापित किया। कठिनाइयों और शुरुआती अस्वीकृतियों के बावजूद साकेत ने हार नहीं मानी। लिंकाइट्स का विस्तार दुनियाभर में किया। सिंगापुर, अमेरिका, जापान और भारत में कार्यालय स्थापित किए। 800 से अधिक कर्मचारियों को नियुक्त किया।

मां और पत्नी को देते हैं सफलता का श्रेय - साकेत अपनी सफलता का श्रेय मां और प प्रतिशती के अटूट समर्थन को देते हैं, जिन्होंने हर कदम पर उनका साथ दिया। 2016 में उन्होंने एक और स्टार्टअप वीडियोवर्स लॉन्च किया। इसने 2023 में उनके बाहर निकलने से पहले 8 करोड़ डॉलर से अधिक जुटाए। इसके बाद साकेत ने अपना नया उद्यम वनटैब शुरू किया।

रखना चाहते हैं अपनी जड़ों से जुड़ाव- साकेत इंदौर की तकनीकी प्रतिभा को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अपनी डेवलपमेंट टीम को इंदौर में ही रखकर वह जड़ों से जुड़े रहे हैं। उनकी कुल संपत्ति करीब 600 करोड़ रुपये की है।

NEET PG 2024 Admit Card: Hall Ticket For Medical Entrance Test PG Out, Exam On August 11

The National Board of Examinations in Medical Sciences (NBEMS) has released the admit card for the National Eligibility cum Entrance Test - Postgraduate (NEET PG) 2024. The entrance exam is scheduled to be conducted on August 11. Candidates set to appear for the exam can access the hall tickets by visiting the official website. Meanwhile, the board has denied social media claims regarding access to NEET-PG 2024 questions.

"NBEMS denies such false claims made by a Telegram channel titled 'NEET-PG LEAKED MATERIAL' and cautions applicants for NEET-PG 2024 not to be allured or misled by such unscrupulous elements who are trying to befool them by claiming to have access to questions of the upcoming NEET-PG 2024," the board stated in an official notice. "All NEET-PG 2024 candidates are assured that the question papers are yet to be prepared by NBEMS, and claims made on these social media platforms are bogus," it added.

The examination will be conducted in two shifts, with candidates given equal time for each section. NEET PG is held for the enrollment of medical graduates into 52,000 postgraduate seats available in the country. Earlier, the exam was scheduled to be conducted on June 23. However, it was later postponed a few hours before as a 'precautionary measure' due to irregularities surrounding the conduct of other competitive exams. This was the fourth time the exam date for NEET PG 2024 changed. Initially, it was scheduled to be held on March 3, later postponed to July 7, and then advanced to June 23 due to the general elections.

Exam Pattern

The exam consists of 200 multiple-choice questions, each with four response options in English. Candidates must choose the correct, best, or most appropriate answer from the given options. The exam duration is 3 hours and 30 minutes. A correct response earns 4 marks, while an incorrect answer results in a deduction of 1 mark. No marks are deducted for unanswered questions.

Candidates must report to the 'reporting counter' at the test venue at the time specified on their admit cards. To prevent crowding, staggered time slots will be provided. The reporting counter will close 30 minutes before the test start time to allow for security checks, identity verification, and check-in.

NEET PG 2024: Supreme Court To Conduct Hearing To Postpone Postgraduate Medical Entrance Exam

The Supreme Court will hear a petition on Friday, August 9, 2024 seeking the postponement of NEET PG 2024. The petition has been moved by students who claim that they have been allotted test centres at far away places and therefore will face difficulty in travelling to these centres. Advocate Anas Tanwir mentioned the petition before Chief Justice of India DY Chandrachud seeking an urgent hearing. The postgraduate entrance exam is scheduled for August 11, 2024. The test centres were allotted to students on July 31, 2024. The test city allocated to candidates was communicated through email to them. The centres would be declared in the admit card scheduled for release on August 8, 2024.

As quoted by Bar and Bench, the petition reads, "Many similarly placed candidates have been allocated cities that are highly inconvenient for them to reach and further seeking details of the formula for normalisation of the four sets of question paper and seeking clarity on ensuring that the normalisation formula is disclosed to the candidates thereby eliminating any possibility of arbitrariness in the process." The board had earlier released the exam city allotment slip for NEET PG 2024. The NEET PG exam city slip included details about the city where the exam centre will be allotted to the students. Candidates had been allotted the test city based on the preference selected by them during the form filling process. The NBEMS had opened an online window from July 19 to July 23, allowing NEET-PG 2024 candidates to select their preferred test cities for the examination.

The National Board of Examinations (NBE) will conduct the NEET PG exam on August 11, 2024. NEET PG was previously scheduled for June 23 but was postponed amid paper leak controversies that affected NEET UG and UGC NET.

ISB, Emeritus launch new certificate programme on Healthcare Management

The Indian School of Business (ISB) Executive Education, in collaboration with Emeritus and the Max Institute of Healthcare Management, has announced the launch of a Certificate Programme in Healthcare Management. This initiative aims to bridge the gap between clinical and business skills in the healthcare sector, addressing a critical need as the industry undergoes significant growth and transformation.

With the Indian healthcare market projected to reach USD 320 billion by 2028, growing at a compound annual growth rate (CAGR) of 12 per cent, the sector is poised for substantial innovation. Advances in technology, shifting patient needs, and evolving management practices are driving this expansion. As a result, there is a growing demand for healthcare leaders who possess a comprehensive understanding of the industry's financial, operational, marketing, and strategic aspects.

Programme details- The 12-week online programme is designed for healthcare professionals aspiring to transition into team leader or administrative roles. It is particularly suited for mid-level healthcare administrative professionals seeking to advance their managerial skills and enhance healthcare delivery within their institutions. Additionally, it is beneficial for medical professionals planning to start their own clinics, hospitals, or businesses in the healthcare sector.

Programme benefits- Participants in the programme will gain expertise in optimising healthcare organisation finances to achieve sustainability and business objectives. They will learn to develop marketing strategies that attract, guide, and engage healthcare consumers effectively. The curriculum covers a comprehensive understanding of accounting and capital management processes within the healthcare industry. Additionally, it includes applying operational frameworks through real-life examples for practical learning. Participants will also be equipped to supervise daily practices that involve enhancing client experience and achieving organisational goals in healthcare facilities.

Course structure- The programme includes pre-recorded videos for self-paced learning delivered by ISB Executive Education faculty, real-world case studies, business scenarios, and hands-on projects on healthcare marketing and strategic management. Additionally, it offers live masterclasses on AI and Generative AI in Healthcare, total quality management, healthcare fraud detection, and healthcare analytics. Modules cover accounting in healthcare, cash flows and financial ratios, process design and analysis, process excellence, and raising capital in healthcare.

Eligibility and fees- The programme is open to graduates and diploma holders (10+2+3) from recognised universities. It begins on September 12, 2024, with a fee of Rs 1,20,000 plus GST. Participants who successfully complete the programme with a minimum grading of 70 per cent in all required assignments will receive a certificate of completion from ISB Executive Education. More details can be found on the ISB Healthcare Management programme website.

SSC CGL 2024: Exam dates for tier 1 released at ssc.gov.in

The Staff Selection Commission (SSC) today (August 8) released the exam dates for the Combined Graduate Level (CGL) 2024 tier 1 examination. According to the notice released, the exam will be conducted from September 9 to September 26. This notice is available at the official SSC website — ssc.gov.in. The SSC CGL recruitment process is being conducted to fill around 17,727 vacancies across various departments. The application process for the test started on June 24 and ended on July 27. The application process included filling in the candidates details, uploading required documents, and payment of the application fees. Candidates had a choice to pay the application fee online or offline as per the convenience. SSC CGL 2024 is scheduled to be held in two tiers. The tier 1 will be conducted in September while tier 2 of SSC CGL exam will be conducted in the month of December. Candidates who will be shortlisted will be assigned to Group 'B' and Group 'C' positions across different ministries, departments, organizations of the Government of India, and various constitutional, statutory bodies, and tribunals. The allocation of these positions will be based on the provisions outlined in the exam notice and will consider both merit and candidates' preferences for specific posts.

The candidates must remember to qualify by August 1, 2024. Candidates who are in their final year of graduation can still apply but they must make sure to have completed their degree by August 1, 2024.

निर्मला सीतारमण ने एलटीसीजी टैक्स में संशोधन को बताया सही, कहा- रियल एस्टेट पर अतिरिक्त टैक्स का बोझ नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में वित्त विधेयक 2024 पर चर्चा के दौरान कहा कि प्रस्तावित संशोधन से रियल एस्टेट संपत्तियों की बिक्री पर दीर्घावधि पूंजी लाभ कर के मामले में कोई अतिरिक्त कर बोझ नहीं पड़ेगा।

सीतारमण ने कहा, 'हर बार जब हम बजट पेश करते हैंज मैं देश के विभिन्न हिस्सों में जाकर कर पेशेवरों, उद्योग, व्यापारियों और सभी हितधारकों से मुलाकात करती हूं और उनके विचार जानती हूं। इसके बाद ही संशोधन का प्रस्ताव करती हूं ताकि बजट आम लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व कर सके।'

वित्त मंत्री ने कहा कि 23 जुलाई, 2024 से पहले खरीदी गई संपत्ति के लिए करदाता बगैर इंडेक्सेशन के 12.5 फीसदी एलटीसीजी दर या इंडेक्सेशन के साथ 20 फीसदी कर की दर का विकल्प चुन सकते हैं। बजट पेश करने के तुरंत बाद इतने सारे संशोधन प्रस्तावित करने के बारे में उन्होंने कहा, 'ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि हमने उन लोगों को सुना है जो कुछ बदलाव चाहते हैं और हमारे पास इसे

बदलने का साहस और विश्वास है।'

23 जुलाई को पेश बजट में संपत्ति की बिक्री पर इंडेक्सेशन का लाभ हटा लिया गया था और 12.5 फीसदी की दर से एलटीसीजी कर का प्रस्ताव किया था। इससे रियल एस्टेट सौदों को लेकर चिंता बढ़ गई थी। अपने इस प्रस्ताव का बचाव करते हुए सीतारमण ने कहा था कि एलटीसीजी व्यवस्था को सरल बनाने के लिए इंडेक्सेशन हटाया गया था न कि राजस्व अर्जित करने के उद्देश्य से। कराधान पर प्रस्तावित घोषणा के बारे में वित्त मंत्री ने कहा कि करों में भारी वृद्धि किए बिना, हम एक सरल कराधान व्यवस्था लाए हैं और अनुपालन को आसान बनाया है।

वित्त मंत्री ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विचार देश में सरल, कुशल और निष्पक्ष तकनीक आधारित कराधान व्यवस्था कायम करने का है। इसलिए पिछले 10 वर्षों में इसे करदाताओं के लिए सरल और अनुपालन को आसान बनाना हमारा मुख्य उद्देश्य रहा है। और इस साल मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में कराधान का दृष्टिकोण इसे सरल बनाने, करदाता पर बोझ कम करने और यह सुनिश्चित करने का रहा है कि यह पारदर्शी और एकसामन हो।'

प्रत्यक्ष कर पर वित्त मंत्री ने कहा कि 2023 में 15 लाख रुपए की सालाना आय पर प्रभावी कर घटाकर 10 फीसदी किया गया था और इस साल नई आयकर व्यवस्था के तहत इसे और कम किया गया है। 31 दिसंबर, 2023 तक करीब 3.8 फीसदी करदाताओं ने नई कर व्यवस्था को अपनाया था मगर जुलाई 2024 तक नई व्यवस्था को अपनाने वालों की संख्या में जबरदस्त उछाल आई है।

चैट जीपीटी, जेमिनी इंटरनेट नेविगेशन को नया रूप दे गूगल का तोड़ सकते हैं एकाधिकार

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। एक संघीय जज ने गूगल को निर्दयी एकाधिकारवादी करार दिया है, जो अपने प्रतिस्पर्धियों का दम घोंटने पर तुला हुआ है लेकिन इंटरनेट एक्सप्लोरेशन का पर्याय बन चुके सर्च इंजन का विकल्प कैसे तैयार किया जाए

सर्च इंजन का विकल्प- इंटरनेट एक्सप्लोरेशन का पर्याय बन चुके सर्च इंजन का विकल्प तैयार करना एक लंबी प्रक्रिया है, जिसे पूरा होने में कई साल लग सकते हैं। गूगल अमेरिकी जिला न्यायाधीश अमित मेहता द्वारा जारी ऐतिहासिक फैसले के खिलाफ अपील कर रहा है और जब इस तरह का समय लगता है, तो तकनीकी उथल-पुथल की ताकतें इस प्रयास को बेमानी बना सकती हैं।

तकनीकी उथल-पुथल का प्रभाव- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उभरता हुआ

प्रभाव इस परिदृश्य को तेजी से और गहराई से बदल सकता है। इंटरनेट नेविगेशन का तरीका,द्य उत्पादों जैसे ओपन एआई के चैट जीपीटी और गूगल के जेमिनी के जरिए अधिक प्रभावित हो सकता है, इससे पहले कि अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा दायर लगभग चार साल पुराना मामला सुलझ जाए।

गूगल की स्थापना- फिर भी, मेहता का 277 पन्नों का फैसला गूगल के लिए ऐसी चुनौतियां खड़ी करता है, जो कंपनी के संस्थापकों लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन ने तब शायद नहीं सोची थीं, जब वे स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में स्नातक छात्र के रूप में इंटरनेट सर्च में क्रांति लाने के लिए निकले थे। उन्होंने 1998 में सिलिकॉन वैली में कंपनी शुरू करने के लिए अपनी पढ़ाई छोड़ दी थी । पेज और ब्रिन, जो अब भी गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट इंक के नियंत्रित शेयरधारक हैं, ने अपनी स्टार्टअप कंपनी को उस समय के उद्योग के किंगपिन माइक्रोसॉफ्ट के उत्पादों से बेहतर तकनीक के योद्धा के रूप में पेश किया। 1990 के दशक में माइक्रोसॉफ्ट का व्यक्तिगत कंप्यूटर सॉफ़्टवेयर पर प्रभुत्व और उसके प्रतिपक्षी रणनीतियों ने न्याय विभाग का एक और मामला प्रेरित किया जिसने माइक्रोसॉफ्ट को कमजोर कर दिया और गूगल के लिए सर्च में बढ़त बनाने और फिर मैप्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, ईमेल , वेब ब्राउज़र और वीडियो में विस्तार करना आसान बना दिया।

अब, स्थिति उलट गई है। गूगल संभावित कानूनी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, जबकि एक पुनरुत्थान माइक्रोसॉफ्ट ने अपने ओपन एआई निवेश से एआई में प्रारंभिक सफलता प्राप्त की है।

नाग पंचमी की पूजा के दौरान इन बातों का रखें विशेष ध्यान, प्रसन्न होंगे नाग देवता

पंचांग के अनुसार नाग पंचमी का पर्व 09 अगस्त को मनाया जाएगा। यह त्योहार नाग देवता को समर्पित है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन सांपों को दूध पिलाने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है और नाग देवता की पूजा करने से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेकिन पूजा के दौरान कुछ गलतियों को करने से कई समस्या जीवन में आ सकती है।

सावन के महीने में नाग पंचमी का पर्व बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर पड़ता है। इस दिन नाग देवता की पूजा-अर्चना और व्रत करने का विधान है। मान्यता है कि नाग देवता की उपासना करने से साधक के सभी कष्ट दूर होते हैं। इस दिन पूजा के दौरान कई बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पूजा नियम का पालन न करने से साधक शुभ फल की प्राप्ति से वंचित रहता है। चलिए इस लेख में जानते हैं नाग पंचमी की पूजा के नियम के बारे में।

इन बातों का रखें ध्यान

नाग पंचमी के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान करने के बाद पूजा करें। इस दिन मंदिर में चांदी के नाग और नागिन का दूध से अभिषेक करें और जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक को राहु और केतु से संबंधित दोषों से छुटकारा मिलता है।

- नाग पंचमी पर चांदी के नाग और नागिन का दान करने से कार्यों में आ रही बाधा दूर होती है और कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा साधक को नाग देवता का आशीर्वाद प्राप्त होता है।
- नाग पंचमी के अवसर पर पूजा के दौरान नाग देवता को दूध अर्पित करें। इससे भय दूर होता है और परिवार के सदस्यों को सुख-शांति की प्राप्ति होती है।
- नाग पंचमी के दिन नाग देवता और शिवलिंग पर दूध अर्पित करने के लिए तांबे के धातु से बने पात्र का प्रयोग नहीं करना चाहिए। दूध चढ़ाने के लिए पीतल से बने पात्र को अच्छा माना जाता है।
- इसके अलावा नुकीली चीजों के इस्तेमाल से दूर रहें। ऐसा करना हानिकारक हो सकता है और इससे नाग देवता क्रोधित हो सकते हैं।

नाग पंचमी क्यों मनाते हैं

इस दिन क्यों पीटते हैं गुड़िया, क्यों नहीं बनाई जाती रोटी

नाग पंचमी हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है. यह दिन पूरी तरह से नागों या सांपों को समर्पित है, जिनकी हिंदू पौराणिक कथाओं में पूजा की जाती है. इस दिन बड़ी संख्या में भक्त नागों की पूजा करते हैं. यह त्योहार भारत और नेपाल में भी पूरी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है. हिंदू कैलेंडर के अनुसार इस साल नाग पंचमी सावन के महीने में शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि यानी 9 अगस्त 2024 को मनाई जाएगी.

नाग पंचमी सावन के महीने में आती है जो भगवान शिव को समर्पित एक पवित्र महीना है. हिंदू शास्त्रों के अनुसार, नागों को हमेशा एक विशेष स्थान दिया जाता है और उन्हें भगवान के रूप में पूजा जाता है. नाग पंचमी के इस शुभ दिन पर, भक्त भगवान के रूप में नागों, सर्पों या सांपों की पूजा करते हैं. लोग मिट्टी से सांप बनाते हैं और उन्हें अलग-अलग रूप देते हैं और उन्हें रंगते हैं, उनकी पूजा करते हैं और दूध और अन्य खाद्य पदार्थ चढ़ाते हैं. कई लोग विशेष रूप से दक्षिण भारत में नागों या सांपों से जुड़े मंदिरों में जाते हैं और उनकी पूजा करते हैं. उन मंदिरों में विशेष पूजा की जाती है और लोग इस त्योहार को बहुत भव्यता के साथ मनाते हैं. सपेरे भी सांपों को लेकर सड़कों पर निकलते हैं और उन्हें दूध और पैसे चढ़ाए जाते हैं.

नाग पंचमी का क्या है इतिहास

हिंदू धर्म में नाग पंचमी के उत्सव से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं हैं. ऐसी ही एक लोकप्रिय कहानी भगवान कृष्ण और कंस की है. चूंकि भगवान कृष्ण को कंस के अंत का कारण माना जाता था, इसलिए कंस ने भगवान कृष्ण को मारने के लिए कालिया नामक एक सांप को भेजा था. एक दिन जब भगवान कृष्ण नदी के पास अपने दोस्तों के साथ खेल रहे थे, तो उनकी गेंद पानी में गिर गई. जब वह अपनी गेंद को खोजने के लिए पानी में उतरे, तो उन पर कालिया ने हमला कर दिया. लेकिन अपनी विशेष शक्तियों के कारण, कृष्ण ने न केवल सांप को हराया बल्कि उस पर विजय प्राप्त की और उसके सिर पर बैठकर बांसुरी बजाई. कालिया ने बालकृष्ण से माफ़ी मांगी और वादा किया कि वह कभी भी गांव वालों को नुकसान पहुंचाने के लिए वापस नहीं आएगां यह दिन कालिया पर बालकृष्ण की जीत का प्रतीक है.

नाग पंचमी मंत्र

ऊँ नवकुलया विद्महे विषदंतये धीमहि तन्नो सर्प: प्रचोदयात..!!

नाग पंचमी पर क्यों पीटते हैं गुड़िया

पौराणिक कथाओं के अनुसार एक लड़का महादेव का बहुत बड़ा भक्त था. वह प्रतिदिन भगवान शिव की पूजा करने के लिए मंदिर जाता था. उस लड़के को मंदिर में प्रतिदिन नाग देवता के दर्शन होते थे. एक बार सावन के महीने में जब वह लड़का अपनी बहन के साथ शिवलिंग की पूजा करने आया. तब भाई-बहन की पूजा से प्रसन्न होकर नाग देवता उन दोनों के पास आकर बैठ गए. यह देखकर लड़के की बहन बहुत डर गई. उसे लगा कि कहीं सांप उसके भाई को न काट ले, इसलिए उसने सांप को डंडे से पीटना शुरू कर दिया. जिससे सांप बहुत घायल हो गया. भाई सांप की हालत देखकर बहुत दुखी हो रहा था. उस समय मंदिर में उपस्थित पुजारी ने कहा कि एक निर्दोष सांप को प्रताड़ित करने के कारण बहन पर सर्प श्राप लग गया है, जिसके कारण तुम्हारी बहन को कई गंभीर परिणाम भुगतने होंगे. भाई ने इस श्राप से मुक्ति पाने का उपाय पूछा तो पुजारी ने उसे कपड़े की एक गुड़िया बनाने को कहा. लड़के ने पुजारी के बताए अनुसार कपड़े की एक गुड़िया बनाई और उसे 11 बार सीधा और 11 बार उल्टा पीटना शुरू कर दिया. फिर उसने गुड़िया को जमीन में गहरा गाड़ दिया और इसके बाद सांप की पूजा की. भाई के ऐसा करते ही बहन को सर्प श्राप से मुक्ति मिल गई. कहा जाता है कि तभी से नाग पंचमी पर गुड़िया को पीटा जाने लगा ताकि नाग देवता को किसी भी प्रकार की पीड़ा न हो.

नाग पंचमी के दिन क्यों नहीं बनाई जाती रोटी

आपको बता दें कि नाग पंचमी के दिन लोहे की वस्तुओं का प्रयोग वर्जित माना जाता है. ऐसे में अगर आप लोहे के तवे पर रोटी बनाते हैं तो यह बहुत ही अशुभ माना जाता है. इतना ही नहीं, ऐसी भी मान्यता है कि तवे को सांप के फन का प्रतीक माना जाता है. ऐसे में तवे को आंच या गैस पर चढ़ाने से नाग देवता नाराज हो जाते हैं. इसलिए नाग पंचमी के दिन तवे को चूल्हे पर नहीं रखना चाहिए. इसके अलावा तवे को राहु का प्रतीक भी माना जाता है. वहीं, अगर इस दिन तवे का प्रयोग किया जाए तो आपकी कुंडली में राहु का प्रभाव बढ़ जाता है. जिससे कई तरह की परेशानियां शुरू हो जाती हैं. इसलिए इस दिन रोटी खाना वर्जित माना जाता है. इसके साथ ही अगर कोई नाग पंचमी के दिन रोटी खाता है तो उसके जीवन में धन की कमी भी होती है. इसके अलावा परिवार के सदस्यों की तरक्की के रास्ते में कई तरह की बाधाएं भी आने लगती हैं.

कब है नागपंचमी

तिथि, मुहूर्त और पूजा विधि

हिंदू धर्म में नाग पंचमी सबसे प्रमुख त्योहारों में से एक है। भारत, नेपाल और हिंदू आबादी वाले अन्य दक्षिण एशियाई देशों में लोग इस त्योहार पर नाग की पूजा करते हैं। नाग पंचमी श्रावण मास के शुक्ल पक्ष में मनाई जाती है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के हिसाब से इस बार नाग पंचमी 09 अगस्त 2024 को मनाई जाएगी। नाग पंचमी का एक ऐसा त्योहार जो देशभर के लगभग सभी राज्यों में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। मान्यताओं के अनुसार नाग पंचमी के दिन नागों की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन में आध्यात्मिक शक्ति, मनोवांछित फल और अपार धन की प्राप्ति होती है। इसलिए आइए लेख में जानते हैं कि नाग पंचमी तिथि क्या है, नाग पंचमी पूजा मुहूर्त कितने बजे से हैं, साथ ही ये भी जानेंगे कि नाग पंचमी त्योहार का क्या महत्व होता है।

नाग पंचमी तिथि

हिंदू पंचांग के अनुसार, नाग पंचमी का त्योहार श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचम तिथि को मनाया जाता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के हिसाब से इस साल ये तारीख 09 अगस्त 2024 को है। पंचमी तिथि की शुरुआत 9 अगस्त को मध्य रात्रि 12.36 से 10 अगस्त प्रात: 03.14 पर समाप्त होगी।

नाग पंचमी पूजा मुहूर्त

नाग पंचमी की पूजा मुहूर्त की बात की जाए तो इस साल के श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचम तिथि यानी 09 अगस्त 2024 को सुबह 05.47 से 08.26 तक रहेगा। कुल मिलाकर 2 घंटे 39 मिनट के लिए पूजा का मुहूर्त है।

नाग पंचमी पूजा विधि

नाग पंचमी के दिन सबसे पहले सुबह सूर्योदय से पहले उठकर नित्य कर्मों से मुक्त हो लें, फिर स्नान करें। इसके बाद शिव जी के साथ-साथ नाग देवता की पूजा करें। नाग देवता की पूजा में फल, फूल, मिठाई और दूध अर्पित करें। मान्यताओं के अनुसार जिन जातकों की कुंडली में कालसर्प दोष या फिर राहु-केतु से संबंधित कोई दोष हो तो नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा जरूर करनी चाहिए।

नाग पंचमी का त्योहार नागों, सांपों की पूजा के लिए समर्पित है। महाभारत में, राजा जनमेजय ने अपने पिता राजा परीक्षित की मृत्यु का बदला लेने के लिए नागों का नरसंहार करने के लिए यज्ञ शुरू किया था। ऋषि आस्तिक ने नागों को बचाने के लिए हस्तक्षेप किया और यज्ञ रोकने में सफल रहे। यज्ञ रुकने का दिन पंचमी तिथि था, जो आज नाग पंचमी के रूप में मनाया जाता है। हिंदू धर्म में, नागों को अत्यंत पूजनीय माना जाता है। ऋषियों, देवताओं, और राजाओं को अक्सर नागों के साथ चित्रित किया जाता है। नाग पंचमी के दिन, लोग अपने घरों में नाग देवता की पूजा करते हैं, उन्हें दूध, चावल, फूल और मिठाई आदि अर्पित करते हैं। कुछ लोग नागों को भी दूध पिलाते हैं या नाग मंदिरों में दर्शन करने जाते हैं। यह माना जाता है कि नाग पंचमी का त्योहार मनाने से भगवान शिव और नाग देवता प्रसन्न होते हैं और भक्तों को आरोग्य, समृद्धि और मोक्ष प्रदान करते हैं। यह त्योहार हमें प्रकृति का सम्मान करने और सभी जीवों, चाहे वे कितने ही छोटे या भयानक क्यों न हों, के प्रति दयालु होने का संदेश भी देता है।

नाग पंचमी पर सावन में भगवान शिव के साथ-साथ नाग देवता की भी पूरे विधि विधान से पूजा की जाती है। नागपंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करने से न केवल सर्प दोष दूर होते हैं, बल्कि नाग को दूध पिलाने से कई संकट भी दूर होते हैं। इस बार नागपंचमी पर 6 साल बाद कुछ खास योग बनने जा रहे हैं। आइए जानते हैं, नाग पंचमी की सही तिथि, पूजा की विधि और इस बारे में कि यह योग किस प्रकार आपके लिए लाभकारी है ...

इस नाग पंचमी पर 6 साल बाद बन रहा है विशेष योग, कालसर्प दोष के लिए करें ये उपाय

सर्प या नाग हिन्दू धर्म में पूजनीय है और इसलिए इन्हें भी एक दिन समर्पित किया गया है और उस दिन नाग पंचमी के रूप में मनाया जाता है। हर साल श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नागपंचमी का पर्व मनाया जाता है। महाभारत, नारद पुराण और स्कन्द पुराण आदि में नाग देवता की पूजा के विधान का उल्लेख मिलता है। साल 2024 में नाग पंचमी 9 अगस्त, शुक्रवार को मनाया जाएगा। इस बार नागपंचमी पर 6 साल बाद कुछ खास योग बनने जा रहे हैं और ये ख़ास योग हैं सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और रवि योग। हिंदू नाग पंचमी के दिन नाग पूजा का बहुत महत्व है। मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन नाग की पूजा करने से न केवल कालसर्प दोष से राहत मिलती है, बल्कि सांप के काटने से सुरक्षित रहते हैं। इस दिन कई लोग सापों को या नाग को दूध पिलाते हैं।इस दिन नाग को दूध से स्नान कराकर उसकी पूजा करने पर सुख-समृद्धि, धन-धान्य और भगवान शिव की कृपा के साथ-साथ अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। वैसे, हर किसी के लिए इस दिन वास्तविक सांप को दूध पिलाना संभव नहीं है, तो इसलिए आप सर्प की मूर्ति बनाकर भी उसे दूध से नहला सकते हैं और दूध पिला सकते हैं। इस दिन घर के प्रवेश द्वार पर सांप की मूर्ति बनाकर रखने से घर सांप के प्रकोप से बचा रहता है। इस दिन किसी भी सर्प को हानि न पहुंचाएं, वरना सर्प दोष लग सकता है। इसके साथ ही नाग पंचमी पर लोहे की कड़ाही और तवे पर खाना बनाने की भी मनाही होती है। इस दिन खेल में कुदाल या हल चलाने से मना किया जाता है, साग तोड़ने से मना किया जाता है और कोई नुकीली चीज का प्रयोग करने से भी मना किया जाता है।

नाग पंचमी की शुभ तिथि और शुभ मुहूर्त 2024

साल 2024 में नाग पंचमी 9 अगस्त 2024, शुक्रवार के दिन मनाया जाएगा। शुभ मुहूर्त 9 अगस्त की सुबह 5 बजकर 46 मिनट से लेकर 8 बजकर 25 मिनट तक यानि लगभग 3 घंटे तक रहेगा।

कालसर्प दोष से बचने के उपाय

कालसर्प दोष होने पर नाग पंचमी के दिन भगवान शिव की पूजा करते हुए महामृत्युंजय का जाप जरूर करें। इस दिन गंगाजल में काले तिल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें और किसी पवित्र नदी में चांदी या तांबे से बना नाग-नागिन का जोड़ा प्रवाहित करें। इस दोष से मुक्ति के लिए गरीबों को काले कंबल आदि का दान कर सकते हैं। यदि आप नाग पंचमी के दिन नियम से रुद्राभिषेक करने के साथ शिव मंत्रों का जाप करते हैं, तो भी काल सर्प दोष दूर हो सकता है। इस दोष से मुक्ति के लिए उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में कालसर्प दोष की पूजा भी करवाई जाती है।

पेरिस ओलंपिक से अयोग्य ठहराए जाने के बाद

विनेश ने कुश्ती को कहा अलविदा

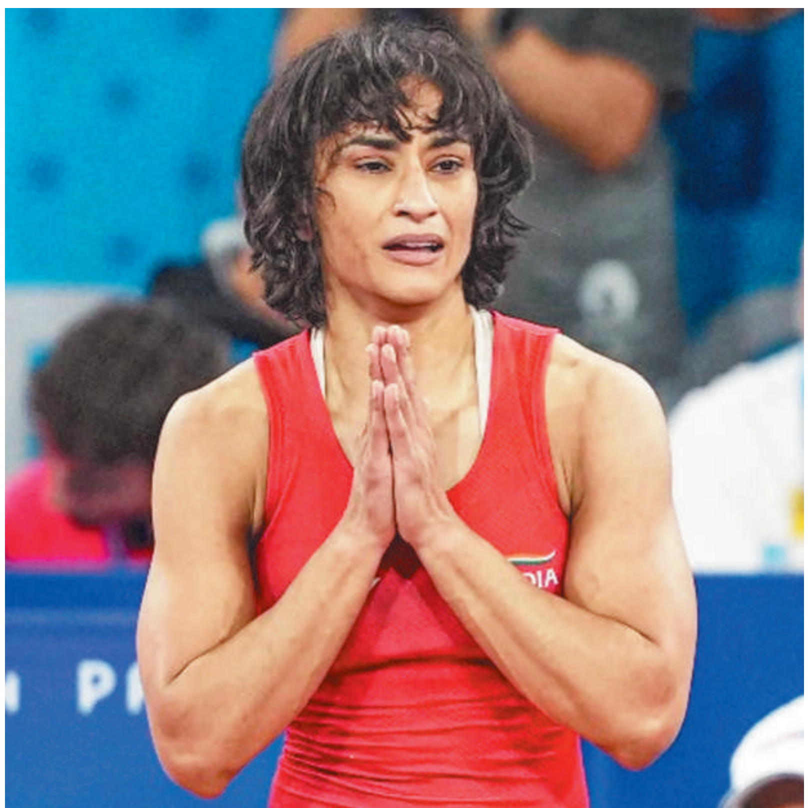

पेरिस, एजेंसी। पहलवान विनेश फोगट ने गुरुवार को संन्यास की घोषणा की। इससे एक दिन पहले उन्हें पेरिस में 2024 ओलंपिक में कुश्ती के फाइनल से अयोग्य घोषित किया गया था। विनेश को 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण 50 किलोग्राम महिला कुश्ती के स्वर्ण पदक मैच से अयोग्य घोषित किया गया था।

संन्यास की घोषणा करते हुए उन्होंने हिंदी में एक्स पर एक पोस्ट में कहा, माँ कुश्ती मुझसे जीत गई, मैं हार गई। मुझे माफ़ कर देना, तुम्हारा सपना और मेरी हिम्मत टूट गई। अब मुझमें और ताकत नहीं है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, अलविदा कुश्ती 2001-2024। विनेश ने सेमीफाइनल मुकाबला अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 5-0 के अंतर से जीता था और ओलंपिक फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान थीं। हालांकि, उन्हें सिर्फ 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण फाइनल मैच से अयोग्य घोषित कर दिया गया था, जिसके बाद उन्होंने कोर्ट ऑफ एब्रीट्रेशन फॉर स्पोर्ट में अपील की थी। उन्होंने कहा था कि उन्हें इस इवेंट के लिए सिल्वर मेडल दिया जाना चाहिए।

कौन हैं विनेश फोगाट

विनेश फोगाट का नाम टॉप और मशहूर महिला भारतीय पहलवानों में गिना जाता है। विनेश इतिहास की सबसे सफल भारतीय पहलवानों में से एक हैं। उनका जन्म 25 अगस्त, 1994 में हरियाणा के भिवानी जिले के बलाली गांव में पहलवानों के परिवार में हुआ था। ऐसे में विनेश ने भी कुश्ती में ही अपना करियर बनाने का फैसला किया। उन्होंने अपने चाचा महावीर सिंह फोगाट, जो कि महिला पहलवानों गीता और बबीता फोगाट के पिता हैं, से कुश्ती की ट्रेनिंग ली।

जब विनेश महज नौ साल की थीं तो उनके पिता राजपाल की हत्या कर दी गई थी। इस भारी दुख के अलावा विनेश को कुश्ती खेलने के लिए गांव के लोगों के विरोध का सामना भी करना पड़ा था। हालांकि इसके बावजूद भी उनका हौसला कम नहीं हुआ और इसी का नतीजा है कि आज के समय में वह भारत के बेहतरीन महिला पहलवानों में से एक के तौर पर उभरी हैं।

विनेश फोगाट ओलंपिक डेब्यू

विनेश ने रियो ओलंपिक 2016 में महिलाओं की 48 किग्रा फ्रीस्टाइल श्रेणी में डेब्यू किया था, लेकिन घुटने में गंभीर चोट लगने के कारण उन्हें क्वार्टर फाइनल मुकाबले से हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद विनेश फोगाट ने टोक्यो ओलंपिक गेम्स 2020 के लिए भी क्वालिफाई किया, लेकिन इस बार भी खिलाड़ी को क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था।

विनेश फोगाट मेडल और रिकॉर्ड्स

बता दें विनेश फोगाट ने वर्ल्ड लेवल पर कुश्ती में अब तक कई मेडल और रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। वह कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान थीं। अब वह जापानी रेसलर जापान की यूई सुसाकी को हराने वालीं दुनिया की पहली महिला रेसलर बन गई हैं।

आइए नजर डालते हैं उनके खास मेडल की लिस्ट पर।

- 1- 2018 एशियाई खेल, जकार्ता- स्वर्ण पदक
- 2- 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स, गोल्ड कोस्ट- स्वर्ण पदक
- 3- 2014 कॉमनवेल्थ गेम्स, ग्लासगो- स्वर्ण
- 4- 2018 एशियाई चैंपियनशिप, बिश्केक- रजत
- 5- 2013 राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप, जोहान्सबर्ग- रजत
- 6- 2020 एशियाई चैम्पियनशिप, नई दिल्ली- कांस्य
- 7- 2019 विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप, कजाकिस्तान- कांस्य
- 8- 2019 एशियाई चैम्पियनशिप, शीआन- कांस्य
- 9- 2016 एशियाई चैम्पियनशिप, बैंकॉक- कांस्य
- 10- 2014 एशियाई खेल, इंचियोन- कांस्य
- 11- 2013 एशियाई चैम्पियनशिप, नई दिल्ली- कांस्य

जयविक्रमा पर लगा आईसीसी भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन का आरोप

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा पर आईसीसी भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन के तीन आरोप लगाए हैं, जिसमें मैच फिक्सिंग से जुड़ी पेशकश की रिपोर्ट नहीं करना और सबूतों को नष्ट करना शामिल है।

इस 25 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिनर ने कथित तौर पर 2021 में अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ-साथ लंका प्रीमियर लीग के मैच फिक्स करने के लिए की गई पेशकश की रिपोर्ट आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई को नहीं की थी। आईसीसी ने गुरुवार को अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, 'श्रीलंका के स्पिनर पर कथित तौर पर भ्रष्ट पेशकश से जुड़े संदेशों को डिलीट करने का आरोप है। आईसीसी ने इस खिलाड़ी को जवाब देने के लिए 14 दिन का समय दिया है। जयविक्रमा पर आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.4.4 के तहत आरोप लगाया गया है, जो अंतरराष्ट्रीय मैचों को फिक्स करने की भ्रष्ट पेशकश की रिपोर्ट नहीं करने से जुड़ा है।

ज्योति याराजी महिला 100 मीटर बाधा दौड़ से बाहर

पेरिस (एजेंसी)। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारत की 100 मीटर बाधा दौड़ खिलाड़ी ज्योति याराजी बृहस्पिवार को यहां रेपेचेज हीट एक में चौथे स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गईं और पेरिस ओलंपिक खेलों से बाहर हो गईं।

हीट एक में ज्योति ने 13.17 सेकेंड का समय लिया और वह अपनी हीट में सात धावकों के बीच चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने रेपेचेज दौर में हिस्सा लेने वाली 21 धावकों में 16वां स्थान हासिल किया। ज्योति की हीट से दक्षिण अफ्रीका की मारियोन फोरी (12.79 सेकेंड) और नीदरलैंड की मायकी जिन-ए-लिम (12.87 सेकेंड) ने पहले दो स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। रेपेचेज की प्रत्येक तीन हीट से शीर्ष दो धावकों ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहली बार ओलंपिक खेल रही ज्योति इन खेलों की 100 मीटर बाधा दौड़ में भाग लेने वाली पहली भारतीय भी हैं। 24 साल की ज्योति का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12.78 सेकेंड का है और अगर वह अपने इस प्रदर्शन को दोहराती तो सेमीफाइनल में जगह बना लेती।

इससे पहले ज्योति अपनी हीट में खराब प्रदर्शन के बाद सातवें स्थान पर रहते हुए स्वत- सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गई थीं। उन्होंने चौथी हीट में 13-16 सेकेंड का समय निकाला था और 40 धावकों में 35वें स्थान पर रहीं थी।

सीरीज हारने का मतलब 'दुनिया का अंत' नहीं है: रोहित शर्मा

कोलंबो (एजेंसी)। रोहित शर्मा ने बुधवार को तीसरे वनडे में 110 रन की हार के साथ श्रीलंका के खिलाफ 27 साल में पहली द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला गंवाने के बाद भारतीय बल्लेबाजों से स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपनी व्यक्तिगत योजनाओं पर 'गंभीरता से विचार' करने का आग्रह किया। श्रीलंका के 249 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत 26.1 ओवर में मात्र 138 रन पर ढेर हो गया। श्रीलंकाई स्पिनरों ने एक बार फिर कहर बरपाया जिसमें दुनिथा वेलालागे ने 27 रन देकर पांच चटकाए जबकि महीश तीक्षणा और जेफ्रे वांडरसे ने 2-2 विकेट हासिल किए।

स्पिन के खिलाफ भारत के संघर्ष के बारे में पूछे जाने पर रोहित ने मैच के बाद कहा, ''मुझे नहीं लगता कि यह चिंता का विषय है लेकिन यह कुछ ऐसा है जिस पर हमें गंभीरता से विचार करने की जरूरत है - हमारी व्यक्तिगत खेल योजनाएं - और यह कुछ ऐसा है (जिससे) हम निश्चित रूप से इस श्रृंखला में दबाव में थे। रोहित ने कहा कि सीरीज हारना 'दुनिया का अंत' नहीं है लेकिन यह 2023 विश्व कप फाइनल में जगह बनाने वाली टीम को काम करने के लिए बहुत कुछ देता है।

भारतीय कप्तान ने कहा कि श्रृंखला हारने का मतलब दुनिया का अंत नहीं है। ये खिलाड़ी पिछले कुछ वर्षों से बहुत अच्छा खेल रहे हैं, लगातार। आप कुछ श्रृंखलाएं हारेंगे। उन्होंने कहा कि हमने सीरीज गंवा दी और मुझे लगता है कि हमें सकारात्मक पहलुओं के बजाय कई क्षेत्रों पर ध्यान देने की जरूरत है। हमें पीछे जाकर देखना होगा कि जब हम इस तरह की परिस्थितियों का सामना करेंगे तो हमें क्या करना होगा। भारत ने इससे पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में श्रीलंका को 3-0 से हराया था। भारतीय कप्तान ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। रोहित ने कहा कि हमने पूरी श्रृंखला में अच्छा क्रिकेट नहीं खेला और इसलिए हम यहां खड़े हैं। पूरी श्रृंखला में कुछ सकारात्मक चीजें भी

रहीं। उन्होंने कहा कि स्पिनरों ने किस तरह से गेंदबाजी की, बीच में कुछ बल्लेबाजों ने भी।

श्रीलंका के कप्तान चरिथ असलंका ने स्वीकार किया कि वह भारत पर श्रृंखला जीत के लिए अपनी टीम का नेतृत्व करने के बाद 'खुश' थे। उन्होंने कहा, ''मैं अभी एक खुश कप्तान हूं और मुझे लगता है कि टीम ने पूरी श्रृंखला में सभी चीजें अच्छी तरह से की। हम सभी जानते थे कि उनकी बल्लेबाजी बहुत मजबूत थी और हम सिर्फ अपनी ताकत के अनुसार खेलना चाहते थे जो कि स्पिन गेंदबाजी है। असलंका ने कहा कि हम अभी वास्तव में अच्छे मूड में हैं, खासकर हमारे कोच (सनथ जयसूर्या)। उन्होंने टीम में कुछ बदलाव किए और लड़कों ने टीम के माहौल का वास्तव में आनंद लिया।

पदक से चूकीं मीराबाई चानू

पेरिस, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू यहां पेरिस ओलंपिक में बुधवार को महज एक किलोग्राम से पदक से चूक गईं। महिलाओं के 49 किलोग्राम वर्ग में चानू ने कुल 199 किलोग्राम वजन उठाया और वह चौथे स्थान पर रहीं। चीन की हो झिहुई ने कुल 206 किलोग्राम के साथ नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता। रोमानिया की वेलेंटीना (205 किग्रा) को रजत और थाईलैंड की सुरोदचना खम्बाओ (200 किग्रा) को कांस्य पदक मिला। चानू ने स्नैच राउंड में अपने तीसरे प्रयास में 88 किग्रा वजन उठाया था। क्लीन एंड जर्क राउंड में उन्होंने पहले प्रयास में 111 किग्रा अटेम्प्ट किया लेकिन वह इसे पूरा नहीं कर सकीं। दूसरे प्रयास में उन्होंने 111 किग्रा उठाया। उन्होंने तीसरा प्रयास 114 किलोग्राम के लिए किया और यदि वह इसे पूरा कर लेती तो कांस्य पदक उनके नाम होता। लेकिन उनका तीसरा प्रयास मान्य नहीं रहा। चानू थाईलैंड की खिलाड़ी से मात्र एक किलोग्राम कम वजन उठाने के कारण पोडियम फिनिश नहीं कर सकीं।

नागा चैतन्य अब सामंथा से तलाक के 3 साल बाद शोभिता धुलिपाला से कर रहे सगाई?

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला की डेटिंग की पिछले काफी समय से खबरें आ रही थीं, और अब कहा जा रहा है कि 8 अगस्त को उनकी सगाई है। नागा चैतन्य के घर पर उनकी शोभिता धुलिपाला संग सगाई होगी। हालांकि, अभी परिवार या एक्टर्स की तरफ से किसी ने भी कुछ ऑफिशियली कन्फर्म नहीं किया है, पर सूत्रों ने यह बात पक्की बताई है।

यह भी कहा है कि सगाई की खबर नागा चैतन्य सोशल मीडिया पर देंगे। खबरें आने के बाद से सोशल मीडया पर फैंस भिड़ गए हैं। जहां कुछ ने सगाई की खबर पर खुशी जताई, वहीं सामंथा के फैंस ने नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला के खिलाफ नफरत भरे कमेंट्स करने शुरू कर दिए।

नागा संग रिलेशनशिप पर यह बोली थीं शोभिता धुलिपाला

जहां सामंथा अभी भी सिंगल हैं, वहीं नागा चैतन्य कुछ समय बाद शोभिता धुलिपाला को डेट करने लगे थे। हालांकि, दोनों ने अपने रिलेशनशिप पर पब्लिकली कुछ नहीं कहा, पर साथ में जरूर स्पॉट किया गया। दोनों लंदन में भी लंच डेट पर साथ देखे गए थे। लेकिन शोभिता धुलिपाला ने 2023 में एक इंटरव्यू में नागा संग रिलेशनशिप की खबरों पर कहा था कि जब वह कुछ गलत नहीं कर रही हैं, तो किसी को कुछ सफाई देने की जरूरत नहीं समझतीं।

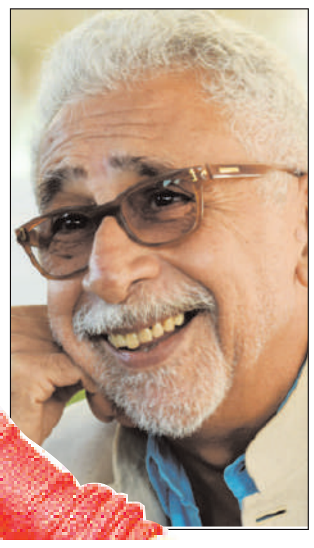

नसीरुद्दीन शाह के साथ नजर आएंगी कल्कि केकलां

अभिनेत्री कल्कि केकलां ने बहुत चुनिंदा फिल्मों में काम किया है। लेकिन, अपने अभिनय की उन्होंने अलग छाप छोड़ी है। अब वे दिग्गज कलाकार नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने जा रही हैं।

इससे वे बेहद खुश हैं। हालांकि, कल्कि किसी फिल्म में नसीरुद्दीन शाह के साथ काम नहीं कर रही हैं, बल्कि उनके साथ स्टेज प्रस्तुति देंगी। यह स्टेज शो शेक्सपियर के एक नाटक पर होगा, जिसका नाम किंग लियर है। कल्कि केकलां की पीआर टीम ने यह जानकारी साझा की है। इसके अनुसार स्टेज शो में अभिनेत्री किंग लियर की बेटी कॉर्डेलिया की भूमिका निभाएंगी। वहीं, नसीरुद्दीन शाह किंग लियर की भूमिका में नजर आएंगे। नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने को लेकर कल्कि बेहद खुश हैं। यह नाटक इस साल नवंबर में मुम्बई के पृथ्वी थिएटर महोत्सव में प्रदर्शित किया जाएगा, जो थिएटर प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन होगा।

-साभार एजेंसी

सद्भावना पाती
इंदौर, शुक्रवार 09 अगस्त , 2024

दिल्ली कोचिंग सेंटर हादसे में एमसीडी और फायर डिपार्टमेंट दोषी, मजिस्ट्रेट जांच रिपोर्ट में खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर कोचिंग हादसे की मजिस्ट्रेट जांच में एमसीडी के भवन और कार्य विभाग के अलावा फायर डिपार्टमेंट को भी जिम्मेदार ठहराया गया है। मजिस्ट्रेट जांच के दौरान एमसीडी, जल बोर्ड, अग्निशमन विभाग के अधिकारियों एवं छात्रों समेत कुल 15 लोगों से पूछताछ की गई।

जांच रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों विभाग के अधिकारियों को बेसमेंट में लाइब्रेरी के संचालन और नाले पर अतिक्रमण की जानकारी थी, इसके बाद भी उन्होंने कोचिंग सेंटर पर कोई कार्रवाई नहीं की। वह भी तब जब बीते साल सितंबर में एमसीडी ने कोचिंग को कारण बताओ नोटिस जारी किया था और फायर डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने बीती 1 जुलाई को कोचिंग सेंटर का निरीक्षण किया था। मध्य जिला मजिस्ट्रेट ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि

एमसीडी के भवन विभाग को पता था कि लाइब्रेरी बेसमेंट में चल रही है, इसके बावजूद अगस्त 2023 में कोचिंग के सर्वे के दौरान उसे सील नहीं किया गया। रिपोर्ट में एमसीडी के कार्य विभाग को भी जिम्मेदार ठहराया गया है। एमसीडी ने यहां नाले पर हुए अतिक्रमण को नहीं हटाया। साथ ही निचला इलाका होने के कारण जलभराव की संभावना होने के बावजूद नालों से पांच साल से गाद नहीं निकाली गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने 1 जुलाई को मौके पर निरीक्षण किया। मगर उन्होंने बेसमेंट में लाइब्रेरी चलने की जानकारी एमसीडी को नहीं दी। साथ ही अग्निशमन विभाग को एमपीडी-2021 के भवन उपनियम प्रावधानों के उल्लंघन में पुस्तकालय के रूप में बेसमेंट के दुरुपयोग को छुपाते हुए 9 जुलाई को अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र नहीं देना चाहिए था। सीबीआई ने हाईकोर्ट के आदेश के बाद बुधवार को राव आईएएस स्टडी के मालिक अभिषेक गुप्ता के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वह बेसमेंट में पानी भरने से छात्रों की मौत मामले की जांच करेगी। जांच एजेंसी ने दिल्ली पुलिस से मामले की जांच अपने हाथ में ली है। अधिकारियों ने बताया कि कोचिंग सेंटर के मालिक के खिलाफ दोबारा मामला दर्ज किया है।

दिल्ली पुलिस को है आतंकियों की तलाश, सूचना देने वाले को मिलेगा इनाम; जगह-जगह लगाए पोस्टर

नईदिल्ली, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस को लेकर दिल्ली पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। किसी भी अप्रिय घटना को होने से रोकने के लिए पुलिस चप्पे-चप्पे पर नजर रखे हुए है और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। इसी बीच दिल्ली पुलिस ने राजधानी में अलकायदा और खालिस्तान से जुड़े विभिन्न आतंकवादियों के पोस्टर लगाए हैं। पूरे शहर में यह पोस्टर लगाए गए हैं और लोगों को आतंकवादियों को पकड़ने में मदद करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि आतंकवादियों के बारे में कोई भी जानकारी देने वालों को उचित इनाम दिया जाएगा। हालांकि, सूचना देने वालों के नाम गुप्त रखे जाएंगे। पुलिस ने कहा कि लोगों में जागरूकता बढ़ाने और आतंकवादियों को पकड़ने में पुलिस की मदद करने के लिए सुरक्षा उपाय किए गए हैं। खान मार्केट महिला पुलिस बूथ की प्रभारी सब-इंस्पेक्टर कोमल शाक्य ने कहा कि नागरिकों में जागरूकता पैदा करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, पोस्टरों में पंद्रह आतंकवादियों का जिक्र है, जिनमें से छह अल-कायदा से जुड़े हैं। स्वतंत्रता दिवस से पहले राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पंजाब पुलिस ने भी मंगलवार को राज्य भर के सभी बस स्टैंडों पर तलाशी लेकर सुरक्षा के कड़े कदम उठाए हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सुरक्षा चाक-चौबंद बनाने के लिए 10 राज्यों की पुलिस के साथ दिल्ली पुलिस मुख्यालय में बुधवार को एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। इसमें विभिन्न प्रदेशों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ आतंकी इनपुट, सीमा जांच, संदिग्धों के सत्यापन सहित आतंकवाद विरोधी उपायों से संबंधित खुफिया जानकारी साझा करने पर जोर दिया गया। खुले क्षेत्रों से पैराग्लाइडर, ड्रोन और अन्य उड़ान वस्तुओं की आवाजाही से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। किसी भी संदिग्ध तत्व, वाहन की आवाजाही के बारे में पूर्व सूचना देने पर बल दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

अस्पतालों में डॉक्टरों की भर्तियों पर गुमराह कर रहे दिल्ली सरकार के मंत्री, एलजी ऑफिस का पलटवार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के कार्यालय ने बुधवार को आप सरकार और दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज पर तीखा हमला करते हुए उन पर अस्पतालों में चिकित्सकों और अन्य कर्मचारियों के रिक्त पदों सहित विभिन्न मुद्दों पर लोगों और न्यायपालिका को गुमराह करने के लिए झूठ का जाल बुनने का आरोप लगाया। उपराज्यपाल सचिवालय के अधिकारियों ने आरोप लगाया कि विभिन्न पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया पहले से ही चल रही है, हालांकि मंत्री अपनी और आप सरकार की भारी विफलताओं को छिपाने के लिए रोजाना झूठ का जाल बुन रहे हैं। राजनिवास ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में भर्तियों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री पर गुमराह करने का आरोप लगाया है। राजनिवास ने बुधवार को कहा कि सच्चाई यह है कि मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री ने डॉक्टरों और अन्य चिकित्सा कर्मचारियों की भर्ती के लिए कभी भी कोई ठोस प्रयास नहीं किया। सिर्फ झूठे बहाने बनाने का ही काम किया गया है। राजनिवास ने कहा कि डॉक्टरों की नियुक्ति-भर्ती आदि का कार्य राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण (एनसीसीएसए) के अधिकार क्षेत्र में आता है। मुख्यमंत्री इसके अध्यक्ष हैं। राजनिवास ने कहा- इस प्राधिकरण की बैठक बुलाने और ऐसा कोई भी निर्णय लेने का अधिकार कानून उन्हें देता है। यदि उनकी मंशा डॉक्टरों आदि को अनुबंध के आधार पर नियुक्त करने की होती तो इसके लिए तुरंत ही प्राधिकरण की बैठक बुलाई होती। राजनिवास के मुताबिक, मुख्यमंत्री द्वारा डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की भर्ती के मामले को एजेंडे में रखने का निर्देश देने की बजाय इसी वर्ष जनवरी में उपराज्यपाल को प्रस्ताव भेजकर इस मामले में उनसे हस्तक्षेप की मांग की गई।
नियम के अनुसार नियुक्तियों, ट्रांसफर-पोस्टिंग और अनुशासनात्मक कार्रवाई समेत किसी भी सेवा संबंधी मामले का निर्णय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाले प्राधिकरण द्वारा ही किया जाता है और इसके पश्चात उपराज्यपाल के समक्ष रखा जाता है।

शेल्टर होम की जरूरत को तुरंत करें पूरा, कॉन्ट्रैक्ट पर रखिए स्टाफ; आशा किरण पर हाईकोर्ट का आदेश

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सभी संबंधित अधिकारियों को बिना देरी के आशा किरण आश्रय गृह में तत्काल आवश्यकताओं को पूरा करने का निर्देश दिया है। निराशा व्यक्त करते हुए न्यायालय ने दिल्ली सरकार के समाज कल्याण विभाग के सचिव को प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं पर तत्काल कार्रवाई को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने जोर दिया कि वित्तीय बाधाएं महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने में बाधा नहीं बननी चाहिए।कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन एवं न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने सचिव से आपातकाल से निपटने के लिए अनुबंध पर नियुक्तियों सहित अतिरिक्त संसाधनों और कर्मचारियों का अनुरोध करने को कहा है। न्यायालय ने समाज कल्याण सचिव का आश्वासन दर्ज किया कि वह व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी करेंगे। पीठ ने सचिव को सोमवार तक एक नई स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि संकट को देखते हुए जल्द प्रभावी कदम उठाने की जरुरत है। पीठ ने कहा कि वहां रहने वाले लोगों को असहाय महसूस नहीं करना चाहिए।

बेटे के सामने बहू का चुन्नी से घोंटा गला, हैवान ससुर ने डंडे से पीट-पीटकर मार डाला; फिर...

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में एक ससुर ने अपनी बहू को खौफनाक मौत दी है। वहीं इस दौरान उसका बेटा अपने पिता को रोकने की बजाय चुपचाप पूरे मंजर को देख रहा था। मर्डर के बाद 59 साल के देवेंद्र माथुर ने पुलिस को फोन किया और बताया कि उसने अपनी बहू की हत्या कर दी है। कुछ ही मिनटों में पुलिस माथुर के तीन मंजिला घर पर पहुंच गई। वह और उनका बेटा दरवाजा खुला छोड़ डाइनिंग टेबल पर बैठे उनके आने का इंतजार कर रहे थे। यह घटना मंगलवार सुबह 11.40 बजे की है।

पुलिस ने बताया कि देवेंद्र ने दावा किया कि उसने अपनी 24 साल की बहू अमिता देवी को डंडे से मारा और जब वह बेहोश हो गई, तो उसने अपने बेटे मुकुल (25) की मौजूदगी में उसका गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। न्यू कॉलोनी थाने के एसएचओ राजेश बागरी ने कहा, जब हमने पूछा कि उसने उसे क्यों मारा, तो (देवेंद्र) ने अमिता पर शक जताया। वहीं मृतका के पिता ने दावा किया कि देवेंद्र ने उनकी बेटी से अनुचित व्यवहार किया और जब उसने विरोध किया, तो उसने उसे मार डाला।

पुलिस अधिकारी ने कहा, दोनों रिमांड पर हैं और हम उनसे फिर से पूछताछ करेंगे। अमिता देवी सोनीपत के गोहाना की रहने वाली थीं। उसने 2017 में मुकुल से शादी की। दंपति के दो बच्चे हैं - एक छह साल की लड़की और एक चार साल का लड़का। मुकुल के एक पैर में पोलियो है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वह (मुकुल) कोई काम नहीं करता।

दिल्ली सरकार ने परिचालन नियमावली में किए बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। बस हादसों में बढ़ोतरी को देखते हुए दिल्ली सरकार ने चालकों को अब दोहरी ड्यूटी नहीं देने का फैसला किया है। इसको लेकर सुरक्षित बस परिचालन नियमावली में कुछ बदलाव किए गए हैं। सरकार को उम्मीद है कि इससे हादसों में कमी आएगी।

दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि दिल्ली की भीड़भाड़ वाली सड़कों पर 12 मीटर की बसें लगातार 8-8 घंटे चलाना सुरक्षित नहीं है। इसलिए हमने दोहरी ड्यूटी की व्यवस्था खत्म करने के साथ ही कई अहम बदलाव किए हैं। एक से ज्यादा शिफ्ट में ड्यूटी रोकने के लिए बस चालकों को आधार लिंक ड्यूटी आवंटन किया जाएगा। इसके लिए सभी बस डिपो में बायोमेट्रिक फेस रिकग्निशन सिस्टम भी स्थापित किया जाएगा। इससे अगर कोई दूसरी शिफ्ट में लगाया जा रहा है तो उसकी तुरंत पहचान हो जाएगी। अगर फिर भी ऐसा हुआ तो बस डिपो प्रबंधक पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बस यात्रियों के लिए राहत की खबर, मुफ्त सफर के लिए बनवा सकेंगे हैप्पी कार्ड

नईदिल्ली, एजेंसी।
बसों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है। परिवहन विभाग की तरफ से जारी किए जाने वाले हैप्पी कार्ड अब यात्री गुरुग्राम के सोहना, पटौदी और फर्रुखनगर में भी बनवा सकेंगे। इसको लेकर रोडवेज बस स्टैंड पर हैप्पी कार्ड बनाने वाले कर्मचारियों को नियुक्त कर दिया गया है। यह अधिकारी लोगों से आवेदन लेंगे और वहीं से ही लोग अपना हैप्पी कार्ड ले सकेंगे। लोगों को काफी राहत मिली है। हरियाणा हैप्पी कार्ड परियोजना पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा सात मार्च 2024 में शुरू की गई थी। सुविधा का लाभ लेने के लिए लाभार्थियों को हरियाणा रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा करने के लिए ई-टिकटिंग प्रणाली से जुड़ा एक स्मार्ट कार्ड जारी किया जाता है। कार्ड के माध्यम से लाभार्थियों को प्रतिवर्ष एक हजार किलोमीटर मुफ्त यात्रा कर सकते हैं। इसको लेकर लाभार्थी को रोडवेज विभाग में इसके लिए आवेदन करना

पड़ता है। हैप्पी कार्ड का लोगों को ज्यादा से ज्यादा फायदा मिल सके इसको लेकर रोडवेज द्वारा उपमंडल स्तर के बस स्टैंडों पर टीमों को बैठा दिया गया है। रोडवेज अधिकारियों ने बताया कि आजकल रोडवेज की बसों में सफर करने वाले यात्री अपने हैप्पी कार्ड को एक दूसरे से अदला-बदली करके बसों में यात्रा कर रहे हैं। इस पर रोक लगाने के लिए अब यात्रियों को रोडवेज बसों में यात्रा करते समय हैप्पी कार्ड के अलावा फोटो सहित आईडी भी अपने साथ ही रखनी होगी। आईडी को लेकर भी यात्रियों और परिचालकों में झगड़ा होता है। गुरुग्राम जिले में हैप्पी कार्ड को लेकर अभी तक 4404 लोगों ने आवेदन किया है। इसमें से 4044 लोगों को रोडवेज की तरफ से हैप्पी कार्ड जारी किया जा चुका है। रोडवेज की तरफ से हैप्पी कार्ड बनाने को लेकर अलग से टीम का गठन किया हुआ है। अब लाभार्थी रोडवेज बस अड्डे सहित सोहना, पटौदी और फर्रुखनगर बस स्टैंड से भी अपना हैप्पी कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए लोगों को पहले आवेदन करना होगा। इसके बाद दस्तावेजों की जांच होगी। पात्र लाभार्थी मिलने पर ही कार्ड जारी किया जाएगा। गुरुग्राम रोडवेज डिपो महाप्रबंधक प्रदीप कुमार ने कहा, हैप्पी कार्ड लाभार्थियों की सुविधा के लिए सोहना, फर्रुखनगर और पटौदी सभी जगहों पर बनाए जा रहे हैं। लाभार्थी यहां आवेदन करके उसी जगह से अपना हैप्पी कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। अभी तक 4404 लोगों ने आवेदन किया है।

पाकिस्तान को मिलेगा नया विदेश सचिव, आमना बलोच जल्द ही संभालेंगी पदभार

शाहबाज सरकार ने दी मंजूरी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान को नया विदेश सचिव मिलने वाला है। मिडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अनुभवी राजनयिक आमना बलोच पाकिस्तान की नई विदेश सचिव बनने वाली हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आमना बलोच, जो वर्तमान में यूरोपीय संघ, बेल्जियम और लक्जमबर्ग में पाकिस्तान की राजदूत हैं, 11 सितंबर को अपना पदभार संभालेंगी और डॉ. साइरस सज्जाद काजी की सेवानिवृत्ति के बाद उनका स्थान लेंगी। रिपोर्ट में प्रधानमंत्री कार्यालय के उच्च पदस्थ सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने नए विदेश सचिव की नियुक्ति के लिए विदेश मंत्री के तौर पर उप प्रधानमंत्री इशाक डार की सिफारिशों को मंजूरी दे दी है।

पाकिस्तान विदेश सेवा की 1991 बैच की अधिकारी बलोच, एक महीने में शाहबाज सरकार द्वारा नियुक्त दूसरी महिला संघीय सचिव बनने जा रही हैं। इससे पहले अंबरीन जान को इसी महीने सूचना एवं प्रसारण सचिव नियुक्त किया गया था। कई अहम पदों पर रह चुकीं हैं आमना बलोच इतिहास में स्नातकोत्तर डिग्री धारक आमना बलोच वर्तमान पद पर आने से पहले मलेशिया में पाकिस्तान की उच्चायुक्त रह चुकी हैं और इससे पहले अपने करियर के दौरान उन्होंने मुख्यालय और विदेश में मिशनों में विभिन्न पदों पर कार्य किया है, जिसमें चीन के चेंग्दू में पाकिस्तान की महावाणिज्यदूत का पद भी शामिल है।

शारीरिक संबंध बनाने के लिए पत्नी मांगती है पैसे, तंग आकर पति पहुंचा अदालत

ताइवान , एजेंसी। पति-पत्नी के बीच तलाक होने की कई वजहें होती हैं। हालांकि, ताइवान में तलाक को लेकर एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। एक शख्स ने आरोप लगाया है कि शारीरिक संबंध बनाने के लिए उसकी पत्नी पैसे (कैश) की मांग करती है। शख्स ने तंग आकर अदालत में इस मामले पर अर्जी भी दाखिल कर दी है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, हाओ (बदला हुआ नाम) नामक एक शख्स ने शुआन (बदला हुआ नाम) नामक महिला के साथ साल 2014 में हुई थी। हाओ ने दावा किया कि उसकी पत्नी ने साल 2017 में महीने में सिर्फ एक बार ही यौन संबंध बनाने की शर्त लगा दी। वहीं, 2019 में महिला ने पति के साथ संबंध बनाने से इनकार कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, शुआन ने अपने रिश्तेदारों को बताया कि वो काफी मोटा है। इसके बाद हाओ ने 2021 में अदालत में तलाक की अर्जी दाखिल कर दी। इसके बाद शुआन ने रिश्ते सुधारने का वादा भी किया। इसके बाद अदालत से मामला वापस ले लिया गया। हालांकि, दंपती के बीच रिश्ते धीरे-धीरे फिर बिगड़ने लगे। हाओ ने बताया कि शुआन ने उसे परेशान करना शुरू दिया। हाओ जब भी पत्नी के साथ संबंध बनाने की कोशिश करता तो उससे पैसे की डिमांड होती थी। हाओ ने एक बार फिर अदालत में तलाक की अर्जी दाखिल कर दी। बीते कुछ सालों से दोनों के बीच बातचीत नहीं हुई। जरुरत पड़ने पर दोनों सिर्फ मैसेजिंग ऐप पर ही बात करते। अदालत ने आखिरकार हाओ की याचिका पर सुनवाई करते हुए तलाक के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। गौरतलब है कि शुआन तलाक नहीं चाहती थी, लेकिन उनकी याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया।

'ट्रंप आसानी से नहीं होने देंगे सत्ता हस्तांतरण', जो बाइडन को सता रहा डर

बोले- होगा खून-खराबा

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने आशंका जताई है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव में हार जाते हैं तो शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण को लेकर उन्हें शक है। जो बाइडन ने एक मीडिया चैनल सीबीएस से बातचीत में ये बात कही। उन्होंने कहा कि यदि रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति चुनाव हार जाते हैं तो सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण कैसे हो पाएगा।

उन्होंने कहा कि अगर डोनाल्ड ट्रंप हार जाते हैं तो उन्हें ये विश्वास नहीं है कि कमला हैरिस को सत्ता का हस्तांतरण शांतिपूर्ण तरीके से हो पाएगा। वह (ट्रंप) जो भी बोलते हैं, उसका मतलब होता है, लेकिन हम उन्हें गंभीरता से नहीं लेते, लेकिन उनकी बातों का मतलब है जैसे कि उन्होंने कहा था कि- अगर हम हारे तो खून-खराबा होगा। पूर्व राष्ट्रपति पर वाशिंगटन डीसी और जॉर्जिया में भी आपराधिक आरोप लगाए गए थे, क्योंकि उन्होंने 2020 के चुनाव में बाइडन

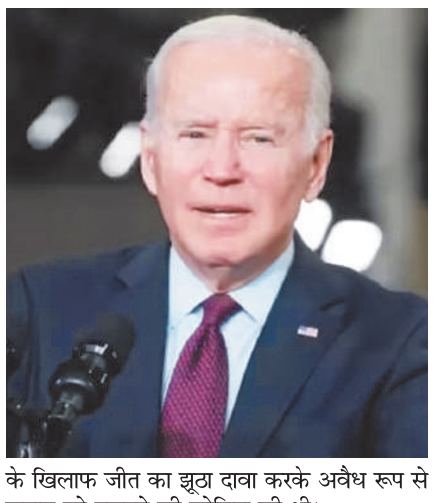

के खिलाफ जीत का झूठा दावा करके अवैध रूप से चुनाव को पलटने की कोशिश की थी।

बाइडन का ये इंटरव्यू 2024 के राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के बाद पहली बार सामने आया है। ट्रम्प के खिलाफ निराशाजनक बहस के प्रदर्शन के बाद साथी डेमोक्रेट्स के दबाव के कारण, राष्ट्रपति की उम्र और स्वास्थ्य के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं।

जो बाइडन को जो डर है वह बिल्कुल भी बेबुनियाद नहीं है। साल 2020 में जब जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव में पटखनी दी थी, उस वक्त भारी हिंसा हुई थी। दंगाईयों की भीड़ अमेरिकी संसद में घुस गई थी और उस दौरान पुलिसकर्मियों समेत कई लोगों की मौत भी हुई थी। डोनाल्ड ट्रंप पर लोगों की भीड़ को उकसाने का भी आरोप है और इसे लेकर उनके खिलाफ मुकदमा भी चल रहा है। इस बार भी जिस तरह के हालात हैं, उन्हें देखते हुए भी डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच कांटे की टक्कर होने की उम्मीद है। यही वजह है कि जो बाइडन ने आशंका जताई है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप फिर हारे तो इस बार भी हिंसा हो सकती है। बता दें कि राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटने के बाद जो बाइडन ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का समर्थन किया, जिन्होंने हाल ही में डेमोक्रेटिक नामांकन जीता है।

टिम वाल्ज होंगे उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार

मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज, कमला के साथ उनके साथी उम्मीदवार के रूप में शामिल होंगे और साथ मिलकर वे चुनाव लड़ेंगे और 5 नवंबर को होने वाले आम चुनाव में ट्रम्प और उनके उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार, ओहियो के सीनेटर जेडी वेंस का सामना करेंगे। बता दें कि वाल्ज को हैरिस समर्थक माना जाता है। बतौर शिक्षक अपना करियर शुरू करने वाले टिम वाल्ज का मिनेसोटा के गवर्नर के रूप में दूसरा कार्यकाल चल रहा है। साथ ही वह डेमोक्रेटिक गवर्नर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं। उल्लेखनीय है कि रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति और जेडी वैंस उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने की गवर्नर जनरल उप-प्रधानमंत्री से मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों पर हुई बात

वेलिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू फिलहाल न्यूजीलैंड दौरे पर हैं। वह बुधवार को न्यूजीलैंड पहुंचीं, जहां विदेश मामलों के मंत्री टॉड मैक्ले और भारतीय उच्चायुक्त नीता भूषण ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। गुरुवार को राष्ट्रपति मुर्मू न्यूजीलैंड के गवर्नर जनरल डेम सिंडी किरो और उप प्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान मुर्मू ने उनसे मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यूजीलैंड के गवर्नर जनरल डेम सिंडी किरो से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच मैत्रीपुर्ण संबंधों की सराहना की। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में भी सहयोग पर चर्चा की गई। इसके बाद राष्ट्रपति मुर्मू ने उप प्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स से भी मुलाकात की। बता दें कि पीटर्स न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री भी हैं। इस मुलाकात पर राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा, दोनों नेताओं ने कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अकिंत अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।